सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 276 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 20 जुलाई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

स्पेन ने 16 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप जीता : फाइनल में अर्जेंटीना को 1-0 से हराया

फेरन टोरेस ने एक्स्ट्रा टाइम में गोल दागा, टूटा मेसी का सपना

श्रीकंचनपथ न्यूज

न्यूयॉर्क। स्पेन ने 16 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया। टीम ने न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में 2022 की चैंपियन अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। स्पेन के लिए एक्स्ट्रा टाइम में फेरन टोरेस ने गोल किया। इसी के साथ स्पेन ने 2010 के बाद दूसरी बार ट्रॉफी अपने नाम की। तब टीम ने नीदरलैंड को 1-0 से हराया था। इसके साथ ही अर्जेंटिना के स्टार लियोनल मेसी का सपना भी टूट गया।

ट्रॉफी के साथ स्पेन पर रिकॉर्ड इनामी राशि की भी बरसात हुई। 48 टीमों वाले पहले विश्व कप में फीफा ने पुरस्कार राशि में बड़ा इजाफा किया और चैंपियन टीम को इतिहास की सबसे बड़ी इनामी राशि दी। विश्व कप

2026 जीतने पर स्पेन को 5 करोड़ डॉलर (50 मिलियन डॉलर) यानी करीब 481 करोड़ रुपये की प्रदर्शन आधारित पुरस्कार राशि मिली।

आखिरी सीटी के बाद जश्न... और फिर लड़ाई

रेफरी की अंतिम सीटी बजते ही स्पेनिश खिलाड़ी मैदान पर दौड़ पड़े। कोई घुटनों के बल बैठ गया, कोई आसमान की ओर देखने लगा, तो कोई अपने साथी खिलाड़ियों से लिपट गया। 16 साल का इंतजार खत्म हो चुका था। दूसरी ओर अर्जेंटीना के खिलाड़ियों की निराशा साफदिखाई दे रही थी। कुछ देर बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच नोकझोंक भी हुई, लेकिन मामला जल्द शांत हो गया। इसके बाद ट्रॉफी स्पेन के कप्तान के हाथों में पहुंची और पूरा स्टेडियम 'वीवा एस्पाना' (स्पेन जिंदाबाद) के नारों से गूंज उठा।

इसके अलावा टूर्नामेंट में क्वालिफाई करने और तैयारियों के लिए पहले से दी गई राशि को जोड़ दें तो स्पेन की कुल कमाई 6 करोड़ डॉलर यानी करीब 578 करोड़ रुपये से अधिक पहुंच गई। यह 2022 विश्व कप विजेता अर्जेंटीना को मिली राशि से करीब 80 लाख डॉलर (77 करोड़ रुपये) ज्यादा है।

खास-खबर

मुर्गी खाने पर पाइथन को कुल्हाड़ी से काटा, तीन आरोपी गिरफ्तार

कांकेर। जिले के नाथिया नवागांव में रहने वाले तीन युवकों ने एक पाइथन की कुल्हाड़ी से वार कर बेरहमी से हत्या कर दी। इतना ही नहीं, आरोपियों ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर भी शेयर कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद वन विभाग की टीम ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपियों ने बताया कि पाइथन उनके फार्म हाउस की एक मुर्गी को खा गया था, जिससे नाराज होकर उन्होंने इस घटना को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि रविवार को भोजन की तलाश में एक पाइथन युवकों के फार्म हाउस पहुंचा। वहां उसने एक मुर्गी को अपना शिकार बनाकर खा लिया। यह देखकर युवक गुस्से में आ गए और घर में रखी कुल्हाड़ी से पाइथन की बेरहमी से हत्या कर दी। घटना के दौरान उन्होंने इसका वीडियो भी बनाया और सोशल मीडिया पर साझा कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद वन विभाग ने कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

कोरबा में पुलिस ने रुकावाई बच्चों की शादी

कोरबा। शहर के चिमनीभठा वार्ड में नाबालिग जोड़े की शादी महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम और मानिकपुर चौकी पुलिस ने रुकवाई। दरअसल बस्ती की 13 वर्षीय नाबालिग लड़की और 15 वर्षीय लड़का एक-दूसरे को पसंद करते थे और शादी की जिद कर रहे थे। इसी जिद के चलते दोनों पक्षों के परिजनों ने रीति-रिवाज के साथ शादी कराने का फैसला लिया था। शादी की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी थीं। बारात भी पहुंच चुकी थी और कार्यक्रम शुरू होने वाला था। किसी ने इसकी सूचना महिला एवं बाल विकास विभाग को दी। सूचना मिलते ही विभाग की टीम और मानिकपुर चौकी पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शादी रुकवाई।

रायपुर का कारोबारी 1000 करोड़ फ्रॉड केस में अरेस्ट

रायपुर। राजधानी के कारोबारी महेंद्र गोयनका 1000 करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में अरेस्ट हुए हैं। कोलकाता पुलिस ने उन्हें दिल्ली से पकड़ा और कोर्ट में पेश करने के बाद 10 दिन की रिमांड पर लिया है। यह मामला मध्यप्रदेश के कटनी जिले के विजयराघवगढ़ से भाजपा विधायक संजय पाठक के परिवार की कंपनियों से जुड़ा है। आरोप है कि महेंद्र गोयनका ने फर्जी दस्तावेजों और हस्ताक्षरों के जरिए पाठक परिवार की कई कंपनियों पर कब्जा हासिल करने की कोशिश की। करीब 1000 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की।

संसद सत्र से पहले बोले पीएम मोदी- 56 नहीं 28 साल के नौजवान बढ़ा रहे देश का मान

संसद का मानसून सत्र शुरू, हंगामे के बीच तीन बार कार्रवाई स्थगित

नईदिल्ली। देश के संसद में सोमवार से मानसून सत्र शुरू हो गया। मानसून सत्र का पहला दिन हंगामेदार रहा। विपक्ष के भारी हंगामे के बीच राज्यसभा और लोकसभा को तीन घंटे में दोनों को तीन बार स्थगित करना पड़ा है। इस अवसर पर मीडिया को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मानसून हो या संसद का मानसून सत्र, अगर दोनों सक्रिय रहें तो बहुत फलदायी साबित होते हैं। इससे देश का कल्याण और सभी जीवों की भलाई होती है। प्रधानमंत्री ने प्रार्थना की कि यह मानसून और मानसून सत्र, दोनों ही देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए उत्पादक साबित हों।

इससे पहले प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं की तारीफ करते हुए कहा कि भारत के युवाओं ने अंतरिक्ष में एक नई यात्रा शुरू की है। उन्होंने बताया कि 'स्काईरूट' स्टार्टअप में काम करने वाली

पूरी टीम की औसत उम्र केवल 28 साल है। इन युवाओं ने यह बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा- मैं किसी 56 वर्षीय युवक की बात नहीं कर रहा हूं। मैं देश के उन युवा उद्यमियों की बात कर रहा हूं जिनकी औसत आयु 28 वर्ष है... वे बधाई के पात्र हैं, इसमें कोई संदेह नहीं।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि पिछले एक महीने में देश ने कई मील के पत्थर हासिल किए हैं, जिससे हर नागरिक गर्व से भर गया है। पिछले साल मानसून सत्र से ठीक पहले एक भारतीय नागरिक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे थे और हाल ही में एक युवा भारतीय स्टार्टअप ने अंतरिक्ष में बड़ी सफलता हासिल की है।

वैश्विक संकट के बीच मजबूत अर्थव्यवस्था

पीएम मोदी ने वैश्विक परिस्थितियों का जिक्र करते हुए कहा कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में युद्ध का खतरा बना हुआ है। पश्चिम एशिया के संघर्ष ने भारत जैसे उन देशों के लिए बड़ा संकट पैदा किया जो ऊर्जा के लिए दूसरों पर निर्भर हैं। इसके कारण पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, उर्वरक और रसायनों को लेकर कई बाधाएं आईं। इन सबके बावजूद भारत ने 7.7 प्रतिशत की विकास दर बनाए रखी और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बनकर उभरा। यह भारत की आंतरिक ताकत को दिखाता है।

संसद में तथ्यों और तर्क पर हो चर्चा

संसद की कार्यवाही पर पीएम मोदी ने कहा- मेरा दृढ़ विश्वास है कि जहां तथ्य और तर्क होते हैं, वहां हंगामे की कोई जगह नहीं होती। उन्होंने कहा कि देश के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए सकारात्मक सोच जरूरी है। संसद में सभी दलों के पास अनुभवी सांसद हैं। देश को उनके अनुभव और ज्ञान की जरूरत है। इसलिए संसद का सुचारू रूप से चलना, सार्थक चर्चा होना और देश को आगे ले जाने का सामूहिक संकल्प आज के समय की मांग है।

'राम-नामी' बनी 72 वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री फिल्म

सीएम साय बोले- यह छत्तीसगढ़ के लिए गौरव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में छत्तीसगढ़ के अद्वितीय रामनामी समुदाय की समृद्ध विरासत पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'राम-नामी' को 'सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री' का राष्ट्रीय सम्मान मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय बताया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने फिल्म के निर्देशक श्री भरतबाला गणपति तथा पूरी टीम को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मान छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति, आध्यात्मिक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर मिली महत्वपूर्ण पहचान है।

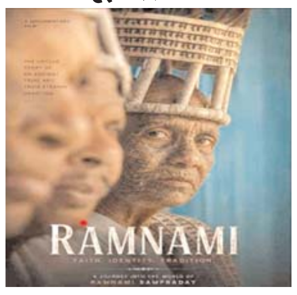

मुख्यमंत्री ने कहा कि रामनामी समाज की अनूठी परंपरा श्रद्धा, समर्पण और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का जीवंत प्रतीक है। इस विरासत को प्रभावी ढंग से देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का कार्य इस डॉक्यूमेंट्री ने किया है। मुख्यमंत्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि यह सम्मान छत्तीसगढ़ की लोक परंपराओं, जनजातीय एवं लोक समुदायों की सांस्कृतिक विरासत तथा प्रदेश की विविध सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज अनसन खत्म करने सोनम में रखी शर्तें

श्रीकंचनपथ न्यूज

नईदिल्ली। पुलिस ने सोमवार को जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया। इससे कई लोगों को चोटें आई हैं। कई लोगों के सिर भी फूटे हैं। 30 से 35 हजार प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर से संसद की तरफ बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। कई लोग बैरिकेडिंग तोड़कर पार्लियामेंट थाने तक पहुंच गए हैं। पुलिस ने बीच-बीच में बैरिकेडिंग कर रखी है। बड़ी संख्या में दिल्ली पुलिस और आरपीएफ के जवान तैनात हैं। पुलिस का कहना है कि मार्च के लिए परमिशन नहीं दी है। उधर,सीजेपी फाउंडर अभिजीत दिपके ने कहा कि हमें कोई नहीं रोक सकता है। संसद मार्च पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा।

उधर, 23 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक ने अनशन खत्म करने की 3 शर्तें रखी हैं। पहली- सरकार शिक्षा व्यवस्था और पेपर लीक की जिम्मेदारी ले। दूसरी-सीजेपी प्रतिनिधिमंडल को संसद जाने दिया जाए और सांसद मुद्दा उठाने का भरोसा दें। तीसरा-स्वास्थ्य कारणों से ऐसा संभव न हो तो सांसद सफदरजंग अस्पताल आकर यही आश्वासन दें।

चौकीदार की हत्या का एक आरोपी पटना से गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। शहर के नूतन चौक स्थित बाल संप्रेक्षण गृह में सहायक सह रात्रि चौकीदार नरेंद्र कुमार खाण्डे की हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। वारदात के बाद फरार हुए चार आरोपियों में से एक विशाल चौबे को बिहार की राजधानी पटना से गिरफ्तार कर लिया गया है। इससे पहले पुलिस ने एक अन्य आरोपी दिनेश राठिया को प्रयागराज से हिरासत में लिया था। मामले में अब भी दो आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस की विशेष टीमें लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं।

एसएसपी रजनेश सिंह ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कई राज्यों में पुलिस टीमों को रवाना किया गया था। तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिरों से मिली सूचना और लगातार की जा रही निगरानी के आधार पर विशाल चौबे को पटना से पकड़ने में सफलता मिली। उन्होंने कहा कि फरार अन्य दोनों आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नगरनार में चोरी के बाद एटीएम छोड़कर भागे बदमाश

जगदलपुर। नगरनार थाना क्षेत्र के नगरनार चौक में स्थित एक एटीएम में बीती रात चोरी का प्रयास किया गया। अज्ञात चोरों ने एटीएम मशीन को पूरी तरह से तोड़कर उसे बाहर निकाल लिया। हालांकि, वे उसमें रखे पैसे निकालने में सफल नहीं हो पाए और मौके से भाग खड़े हुए। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है ताकि आरोपियों की पहचान हो सके।

इंग्लैंड ने 27 रनों से जीता तीसरा वनडे, रोहित लॉर्डस में शतक बनाने वाले पहले भारतीय

लॉर्ड्स। इंग्लैंड ने तीसरे वनडे में भारत को 27 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। लॉर्ड्स में रोहित शर्मा ने 138 रन की पारी खेली। वे लॉर्ड्स के मैदान पर वनडे शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने। इंग्लैंड की जीत में सैम करन की गेंदबाजी अहम योगदान रहा। इसी के साथ मेजबानों ने तीन मैचों की वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।

रविवार को लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने 50

ओवर में तीन विकेट पर 387 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम निर्धारित ओवरों में सात विकेट पर 360 रन ही बना सकी। उनके लिए रोहित शर्मा ने शानदार 138 रनों की पारी खेली जबकि शुभमन गिल और विराट कोहली ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं।

रोहित का यह इंग्लैंड की धरती पर आठवां वनडे शतक रहा। इसके साथ ही वे किसी एक विदेशी देश में सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने अपने नाम एक और उपलब्धि जोड़ते हुए सबसे ज्यादा उम्र में वनडे शतक लगाने वाले भारतीय खिलाड़ी का रिकॉर्ड भी बनाया।

रोहित ने विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की। दोनों ने वनडे क्रिकेट में 21वीं बार 100 या उससे ज्यादा रन की साझेदारी की। मैच के दौरान एक दिलचस्प नजारा भी देखने को मिला। रोहित अपनी पारी खेलने के लिए शार्दूल ठाकुर का बैट लेकर मैदान में उतरे। उनकी यह तस्वीर वायरल हो रही है।

संपादकीय

फोकस कमाई पर है, समस्या के समाधान पर नहीं

हर संस्था के अपने बहुत खर्चे होते हैं। इसलिए पैसों की जरूरत तो हमेशा रहती है। पैसों की जरूरत रहती है इसलिए पैसे कहां आएंगे और आ सकते हैं, इस पर विचार किया जाता रहता है और उपाय भी किए जाते रहते हैं। रायपुर नगर निगम को भी पैसों की बहुत जरूरत रहती है, इसलिए वह भी निगम के आय बढ़ाने पुराने उपायों पर अमल करती है और नए उपाय सोचती रहती है। इस बार रायपुर नगर निगम ने अवैध नल कनेक्शनों को वैध करके पैसा कमाने को सोचा। इस बार सोचा गया कि निगम क्षेत्र में 90 हजार अवैध कनेक्शन है,उनको वैध किया जाता है तो निगम को अच्छी खासी कमाई हो सकती है। इसके लिए निगम के पहले प्रस्ताव में बताया गया कि किसी का नल कनेक्शन यदि अवैध और वह वैध कराना चाहता है तो वह निगम को 20 हजार रुपए देकर अपना नल कनेक्शन वैध करा सकता है।

> निगम ने अपने प्रस्ताव में बताया था कि आवासीय अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने के लिए तय समय सीमा के भीतर 5 हजार रुपए नियमितीकरण शुल्क और 15882 रुपए वैध कनेक्शन शुल्क यानी कुल 20882 रुपए लोगों को देना होगा। इसके साथ ही लोगों को आगाह भी किया गया था कि यदि तय समय सीमा के भीतर लोग अपने अवैध नल कनेक्शन को वैध नहीं कराते हैं तो उनका नल कनेक्शन काटा जाएगा। तय समय सीमा बीत गई है और लगता है कि निगम ने जितनी उम्मीद की थी लोग बड़ी संख्या में अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने के लिए आएंगे।

निगम ने सोचा था अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने का वह लोगों को प्रस्ताव देगी तो 90 हजार अवैध नल कनेक्शन निगम क्षेत्र मे हैं तो अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने के लिए लोगों की भीड़ निगम में लग जाएगी और निगम को एक कनेक्शन का 20 हजार रुपए मिलेगा तो हजारों कनेक्शन का तो बहुत पैसा मिलेगा। निगम ने अपने प्रस्ताव में बताया था कि आवासीय अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने के लिए तय समय सीमा के भीतर 5 हजार रुपए नियमितीकरण शुल्क और 15882 रुपए वैध कनेक्शन शुल्क यानी कुल 20882 रुपए लोगों को देना होगा। इसके साथ ही लोगों को आगाह भी किया गया था कि यदि तय समय सीमा के भीतर लोग अपने अवैध नल कनेक्शन को वैध नहीं कराते हैं तो उनका नल कनेक्शन काटा जाएगा। तय समय सीमा बीत गई है और लगता है कि निगम ने जितनी उम्मीद की थी लोग बड़ी संख्या में अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने के लिए आएंगे। उससे बहुत कम लोग ही अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने निगम पहुंचे है यानी निगम ने अवैध नल कनेक्शन को वैध करने पर जितनी कमाई होने की उम्मीद की थी, उतनी कमाई तय समय सीमा नहीं हुई है। निगम को पैसों की जरूरत है और अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने के पहले प्रस्ताव पर लोगों की भीड़ निगम में नहीं जुटी और अपेक्षित कमाई नहीं हुई तो कमाई के लिए दूसरा निगम ने अब अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने के लिये दूसरा प्रस्ताव दिया है। दूसरे प्रस्ताव में अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने के लिए तय राशि की जगह संबंधित क्षेत्र के अनुसार लागू नए नल कनेक्शन का शुल्क लेने का फैसला किया गया है। यह लगभग 10 हजार रुपए होगा। इसके लिए निगम में 16 जुलाई से 15 अक्टूबर तक आवेदन दिया जा सकता है। यानी निगम ने लोगों को अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने के लिए और समय दिया है तथा पहले से कम पैसे में अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने का एक और मौका दिया है। इससे लगता तो यह है कि निगम चाहता है कि जितने लोगों को अवैध नल कनेक्शन हैं, वह सब वैध करा लें लेकिन हकीकत में निगम को पैसों की जरूरत है और अवैध नल कनेक्शन के वैध होने पर ही कमाई हो सकती है, इसलिए निगम ने पैसे भी कम कर दिये और समय भी बहुत दिया है ताकि जो लोग पिछली बार अवैध नल कनेक्शन को वैध नही करा पाएं निगम को जा पैसे देकर करा लें। ऐसा नहीं है कि निगम ने लोगों को अपने अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने का मौका दिया है तो निगम क्षेत्र में अवैध नल कनेक्शन बंद हो जाएंगे। निगम के कुछ ठेकेदार अवैध नल कनेक्शन दिलाना बंद कर देंगे या लोग अवैध नल कनेक्शन लेना बंद कर देंगे। अवैध नल कनेक्शन तो हमेशा होता रहता है और हमेशा होता रहेगा। क्योंकि इससे निगम के कुछ लोगों व ठेकेदारों की कमाई होती है। बताया जाता है कि एक अवैध नल कनेक्शन का 14 से 15 हजार रुपए लिया जाता है। निगम में इस गोरखधंधे को अब तक कोई रोक नहीं पाया यानी महापौर आते जाते हैं लेकिन अवैध नल कनेक्शन का धंधा चलता रहता है।

सोनम वांगचुक के आंदोलन की अनदेखी का प्रश्न

ज्योति मल्होत्रा

निस्संदेह नीट परीक्षा में हुई गड़बड़ी की जिम्मेदारी तय करने व कार्रवाई को लेकर सोनम वांगचुक के आमरण अनशन पर अलग-अलग राय हो सकती है। एक तरफ उनकी सेहत पर चिंता जताती याचिका व विपक्ष की सलाह। दूसरी ओर राजनीतिक चुप्पी। वहीं अनुच्छेद 370, परिसीमन और महिला आरक्षण जैसे मुद्दों पर दलों के भीतर मतभेद जारी हैं। संसद का परिदृश्य जोड़तोड़ से बदल रहा है, जबकि वांगचुक का संघर्ष नजरअंदाज सा है।

दिल्ली के बीचों-बीच जंतर-मंतर से बस थोड़ी ही दूर, जहां सोनम वांगचुक भूख हड़ताल पर बैठे थे, भारत की संसद है जो जल्द ही शुरू होने वाले मॉनसून सत्र की तैयारी कर रही थी। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग को लेकर वांगचुक का अनशन 21वें दिन में प्रवेश कर गया था। उसके दो दिन पहले एक जनहित याचिकाकर्ता ने कहा था कि अगर उन्हें जल्द ही खाना नहीं मिला, तो उनका जीवन संकट में पड़ सकता है। एक मेडिकल टीम वहां मौजूद रही और विपक्ष के कई नेता सोनम से हड़ताल खत्म करने को कह रहे थे ; उनका कहना था कि उन्होंने अपनी बात रख दी है, लेकिन दिल्ली के दिल में भारी सन्नाटा पसरा रहा।

क्या सोनम वांगचुक को उनके हालात पर छोड़ दिया जाना चाहिये? आख़िरकार, किसी ने उनसे धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग करते हुए आमरण अनशन करने के लिए नहीं कहा। कुछ लोग कहेंगे कि इस हड़ताल में दबाव बनाने की नीति जैसा कुछ है, तो कुछ इसे ताकतवर लोगों की दुनिया में जनता की निराशा की पुकार मानेंगे। निश्चित रूप से, वांगचुक और उनके साथियों का मानना है कि नीट परीक्षाओं में हुई गड़बड़ी के लिए किसी को तो ज़िम्मेदार ठहराया जाना चाहिए, वे गड़बड़ियां जिन्हें टाला जा सकता था और जिसने लाखों छात्रों को प्रभावित किया है। कुछ लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए-वरना इतने हंगामे और गुस्से का क्या मतलब था अगर इसका कोई नतीजा नहीं निकलने वाला?

जंतर-मंतर पर वांगचुक के धरना स्थल (अब पुलिस हिरासत में अस्पताल में उपचाराधीन) के पास ही, मॉनसून सत्र की शुरुआत वाले दिन जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला केंद्र सरकार द्वारा राज्य का दर्जा बहाल करने से इनकार करने के विरोध में एक दिन का प्रदर्शन करने की योजना बना रहे थे। हालांकि उमर को तब तक प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं मिली थी। इतना ही नहीं,श्रीनगर से उनकी पार्टी के सांसद आगा रुहुल्लाह मेहदी ने उमर पर अनुच्छेद 370 की वापसी के लिए लड़ने के अपने वादे से पीछे हटने का आरोप लगाया। मेहदी गरजते हुए कहते हैं कि कश्मीर के लिए विशेष दर्जा, पूर्ण राज्य के दर्जे से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है। इल्ज़ाम मौसम को दिया जा सकता है, गर्मी इतनी है कि तल्खियां बढ़ी हुई हैं, खासकर जब बारिश नहीं हो। शायद देवता नाराज़ हैं। फिर, अयोध्या में भी चोरी की घटना हुई है।

तो क्या मेहदी की नाराज़गी यह संकेत देती है कि वे उमर से इतने नाराज़ हैं कि नेशनल कॉन्फ्रेंस में भी दो फाड़ हो सकता है? या हो सकता है कि मेहदी सही समय का इंतज़ार कर रहे हों और वंशवाद का पासा पलटने की उम्मीद पाले हैं। या फिर वे नेशनल कॉन्फ्रेंस में ही बने रहें, लेकिन तब भी भाजपा परिसीमन बिल लाने की योजना बनाए, तो उसके पक्ष में मतदान करें। इस बिल का मकसद विस्तारित संसद में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत कोटा तय करना है- और यह समझने में कोई गलती न रहे कि इस बिल का मकसद चुनाव क्षेत्रों का नए सिरे से गठन करना है, जिससे भारत में मतदान का तरीका बदलेगा और लोकसभा की संरचना में भी बुनियादी बदलाव आएगा।

संविधान में इतना बड़ा बदलाव करने के लिए, संविधान को सरसरी तौर पर पढ़कर भी आप समझ सकते हैं, भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को दो-तिहाई बहुमत की ज़रूरत है- यानी निचले सदन की 543 सीटों में से 360 सीटें, जबकि अभी उनके पास 293 सीटें हैं। अगर वे उस बिल को दोबारा लाना चाहते हैं जो पिछले ही अप्रैल में सदन में गिर गया था, तो उन्हें 67 और सांसदों का साथ चाहिए होगा। और जैसा कि महान चाणक्य ने कहा था, प्यार, जंग और राजनीति में सब कुछ जायज़ है। इसीलिए टीएमसी की टूटन उनके काम आ रही है -28 में से 20 सांसदों ने एक निर्दलीय पार्टी बना ली है जो बाहर से भाजपा का समर्थन करेगी; साथ ही शिवसेना (यूबीटी) का भी बुरा हाल है, जहां नौ में से छह सांसद पार्टी छोड़कर शिवसेना के ही भाजपा-समर्थक एकनाथ शिंदे गुट में शामिल हो गए हैं; वहीं शरद पवार की एनसीपी में भी यह डर बना हुआ है कि अगर उन्होंने परिसीमन बिल के पक्ष में वोट नहीं दिया तो पार्टी खत्म हो जाएगी।

इस तरह, भले ही मॉनसून के बादल नहीं बरसे, लेकिन 18वीं लोकसभा की फिज़ा काफ़ी हद तक बदल चुकी है। जब मॉनसून सत्र शुरू होगा, तो यह उस लोकसभा से बिल्कुल अलग दिखेगी जिसे दो साल पहले हम लोगों ने चुना था, और यह सब बिना किसी चुनाव के हो गया। कुछ राज्यों में,मसलन, जम्मू-कश्मीर में, स्थिति आसान है। राज्य की कुल संसदीय 5 सीटों में नेशनल कॉन्फ्रेंस के पास सिर्फ 2 सीटें हैं- 2 सीटें भाजपा के पास हैं और एक सीट बारामूला के इंजीनियर राशिद के पास है, जो निर्दलीय सांसद हैं। अगर मेहदी हाथ मिलाने को राजी हो जाएं और इंजीनियर राशिद को मनाया जा सके-क्योंकि 21वीं सदी में कौन नहीं लैंगिक समानता के पक्ष में होना चाहेगा? ध्यान रहे कि दिल्ली हाईकोर्ट ने राशिद को संसद में शामिल होने की इजाज़त चंद दिन पहले ही दी है।

शायद अब समय आ गया है कि आप अपनी पसंदीदा किताब 'जूलियस सीज़र' को फिर से पढ़ें। बंगाल में, तृणमूल कांग्रेस नेता मदन मित्रा- जिन्होंने कभी ममता बनर्जी के प्रति वफ़ादारी की कसम खाई थी और टीएमसी से अलग हुए गुट के नेता रितब्रत बनर्जी को ऐसी गालियां दी थीं जिन्हें सुनकर शरम आ जाए-उन्होंने इसके एक दिन बाद ही पाला बदल लिया और रितब्रत बनर्जी के साथ चले गए। इससे मुझे उस किस्से की याद हो आई कि क्यों पंजाब के आम आदमी पार्टी के सांसद चुपचाप खिसक लिए। (वे तो बस हमेशा ख़ुशी-ख़ुशी जीवन जीना चाहते हैं)।

मित्रा इस बात से इनकार करते हैं कि उनके पाला बदलने के पीछे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनके परिवार से पूछताछ किए जाने वाले तथ्य से कोई संबंध है। तृणमूल के जो कुछ सांसद बचे हैं, उनका कहना है कि ईडी बंगाल में काफी व्यस्त है। निश्चित रूप से, ईडी पंजाब में भी सक्रिय है और कथित रूप से धीरे-धीरे एक-एक करके भ्रष्टाचार को खत्म कर रही है- हाल ही में आम आदमी पार्टी के पूर्व मंत्री संजीव अरोड़ा पर मोबाइल फोनों से जुड़े एक बड़े घोटाले का आरोप लगा है।

जहां तक शरद पवार की बात है तो अगर वे इस बात को लेकर चिंतित हैं कि अगले 24 घंटों में क्या होगा और क्या उनके हाथ में एनसीपी का बचा-खुचा छोटा सा हिस्सा भी रह पाएगा या नहीं, तो उमर अब्दुल्ला ने सामने आकर भाजपा पर उनकी पार्टी को तोड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि विधायकों को पाला बदलने के लिए 20-30 करोड़ रुपये की पेशकश की जा रही है। जवाब में भाजपा ने उन्हें 100 करोड़ रुपये का कानूनी नोटिस भेजा है। सोनम वांगचुक का जंतर-मंतर पर अनशन जारी रहा, (अब वे पुलिस हिरासत में अस्पताल में उपचाराधीन हैं) अपने आस-पास चल रही राजनीतिक गतिविधि से बेख़बर। सत्याग्रह के वास्तविक प्रदर्शन को देखकर हैरान देश के बाकी हिस्सा इस व्यक्ति की ओर ध्यान देने को मजबूर है- आखिर वह कौन हैं? और अगर उनके शरीर में कुछ भोजन न गया तो क्या उनकी जान जा सकती है?

जहां तक राहुल गांधी का प्रश्न है तो कांग्रेस पार्टी के सबसे ताकतवर नेता के बारे में एक बात तो ज़रूर कही जा सकती है। तीन हफ़्ते की गर्मियों की छुट्टियों से लौटने के बाद, उनमें और भाजपा में एक बात साफ़ तौर पर समान है - दोनों के पास सोनम वांगचुक पर कहने को कुछ नहीं है।

लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

क्यों बच्चे 'थैंक यू' और 'प्लीज' कहने से इनकार कर रहे हैं?

एन. रघुरामन

ज्यादातर पैरेंट्स, चाहे उच्च शिक्षित हों या नहीं, अकसर बच्चों को समझाते हैं कि 'अच्छे संस्कारों में कुछ खर्च नहीं होता।' लेकिन हाल ही में जेन-जी ने मुझे सिखाया कि 'ये विनम्र शब्द इस्तेमाल करने की कीमत शायद धरती को चुकानी पड़ती है।' सोच रहे हैं इसका क्या मतलब है? तो आगे पढ़िए। यह सबक मैंने मुश्किल से सीखा। एक सार्वजनिक जगह पर खड़े हुए मैंने ऑटो किराया चुकाने में एक जेन-जी युवक की मदद की। उसके पास चेंज नहीं थे तो मैंने दिए, क्योंकि ऑटो ड्राइवर के पास डिजिटल सुविधा नहीं थी। पेमेंट करने के बाद युवक ने 'थैंक यू' तक नहीं कहा और चला गया। उसे सुनाने के लिए मैं थोड़ी ऊंची आवाज में अपने दोस्त से बोला कि 'देखो, आज की पीढ़ी बुनियादी शिष्टाचार भी भूल गई है। क्या वह थैंक यू भी नहीं कह सकता था?' यह सुनकर युवक तुरंत मुड़ा और लौटकर बोला, 'थैंक यू अंकल। बात इरादे की नहीं है।'

धीरे-धीरे हमारी आदत 'थैंक यू' या 'प्लीज' न कहने की हो रही है, क्योंकि सच में मैं भूल गया था कि मैं किसी एआई से नहीं बल्कि इंसान से बात कर रहा हूं।' जब मैंने कहा, 'सॉरी, मैं समझा नहीं' तो उसने एक दिलचस्प स्पष्टीकरण दिया। उसने कहा कि उनकी पीढ़ी के लिए उन आदतों को छोड़ना मुश्किल हो रहा है, जिन्हें सिखाने में पैरेंट्स ने वर्षों लगाए थे।

वह मुस्कुरा कर बोला, 'आपकी पीढ़ी ने हमें सफलतापूर्वक सिखाया कि अपने पालतू डॉग को खाने के लिए कहते वक्त भी 'प्लीज' कहो। हाउसहोल्ड हैल्पर पानी का गिलास दे तो उसे भी 'थैंक यू' कहो। लेकिन अब यही आदतें चैटजीपीटी, जेमिनी और दूसरे एआई चैटबॉट्स में भी हमारे साथ चल रही हैं। लेकिन हर अतिरिक्त शब्द का मतलब है ज्यादा प्रोसेसिंग, यानी ज्यादा बिजली खपत और पर्यावरण पर अधिक बड़ा असर।' हैरानी की बात है कि उसकी बात में पॉइंट था।

यूनाइटेड नेशंस की एक हालिया रिपोर्ट ने भी यही चिंता जताई है। इसके अनुसार, व्यक्तिगत तौर पर एआई प्रॉम्प्ट में 'प्लीज' या 'थैंक यू' जोड़ने का असर मामूली होता है। लेकिन जब हर दिन अरबों एआई इंटरैक्शन में दोहराया जाता है तो उसका पर्यावरणीय प्रभाव उल्लेखनीय हो जाता है। चैटजीपीटी के उपयोग के आंकड़ों के आधारित रिपोर्ट का अनुमान है कि यदि प्रॉम्प्ट से केवल 'प्लीज' हटा दें तो सालाना करीब 1.8 गीगावॉट-घंटे बिजली बचाई जा सकती है। अभी तक यह सार्वजनिक आंकड़ा नहीं है कि एआई कंपनियां सवालों को प्रोसेस करने में कितनी बिजली खर्च करती हैं या कितने प्रॉम्प्ट 'प्लीज' से शुरू होते हैं। हालांकि, यूनाइटेड नेशंस की रिपोर्ट का अनुमान है कि एक सामान्य चैटजीपीटी रिक्वेस्ट लगभग 0.42 वॉट-घंटे बिजली खपत करता है, जो 10 वॉट के एलईडी बल्ब को लगभग ढाई मिनट तक जलाने के लिए पर्याप्त है।

वैश्विक स्तर पर देखें तो यह पैमाना चौंकाने वाला है। अकेला चैटजीपीटी हर दिन अनुमानित 2.5 अरब से अधिक प्रॉम्प्ट प्रोसेस करता है। इसमें जेमिनी, क्लॉड, कोपायलट और अन्य एआई सिस्टम्स की रिक्वेस्ट भी जोड़ें तो संख्या कहीं ज्यादा बड़ी हो जाती है। ऐसे में हर प्रॉम्प्ट पर बहुत छोटी बचत भी एकसाथ मिलकर बेहद फायदेमंद हो सकती है।

कहानी यहां एक और दिलचस्प मोड़ लेती है। टेकराडार द्वारा अमेरिका और ब्रिटेन के एक हजार लोगों पर किए सर्वे में पाया गया कि 71% ब्रिटिश यूजर्स एआई चैटबॉट्स के साथ विनम्र रहते हैं। जबकि अमेरिकियों में यह आंकड़ा 67% था।

जब उनसे पूछा कि वे ऐसी मशीनों के साथ शिष्टाचार क्यों दिखाते हैं, जो न इसकी सराहना करती हैं और न अपेक्षा रखती हैं तो कई लोगों ने मजाक में कहा कि वे भविष्य के 'रोबोट अपराइजिंग' की तैयारी कर रहे हैं।

यह बहस तब मुख्यधारा में आ गई जब सोशल मीडिया पर ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन से पूछा गया कि यूजर्स द्वारा बार-बार 'प्लीज' और 'थैंक यू' लिखने के कारण उनकी कंपनी को कितना नुकसान हुआ? उनका यादगार जवाब था कि 'क्या पता करोड़ों डॉलर अच्छी जगह खर्च हुए हों।'

फंडा यह है कि जिस शिष्टाचार को सिखाने में हमने कड़ी मेहनत की, उसे कभी-कभार हमारे बच्चे भूल भी जाएं तो चिंता न करें। हो सकता है वे एआई की दुनिया में खुद को ढाल रहे हों। और शायद किसी दिन वे छोटे विनम्र शब्द भी बना लें, जो बिजली और धरती- दोनों को बचाएं।

दिल और दिमाग के संतुलन से हासिल कामयाबी

डॉ. रेनू सैनी

यदि कोई व्यक्ति केवल मस्तिष्क से ही सोचेगा, तो वह स्वार्थी बन सकता है। वहीं यदि वह केवल दिल से सोचेगा, तो बहकावे में आ सकता है और ठोस निर्णय नहीं ले पाएगा। दिल और दिमाग-दोनों की सूझबूझ से चलने वाला व्यक्ति नए रास्ते व पहचान बनाता है।

प्रत्येक व्यक्ति के शरीर में हृदय और मस्तिष्क का निवास होता है। दोनों पर साहित्यकारों एवं कवियों ने दुनियाभर में असंख्य नज़्में और रचनाएं लिखी हैं। दिल दर्पण-सा नाजुक होता है, जो टूटकर बिखर जाता है और उसकी किरचें पूरे मन में धंस जाती हैं। वहीं मस्तिष्क को दिल का घुड़सवार माना जाता है। अक्सर लोग कहते हैं कि जो व्यक्ति मस्तिष्क के बल पर चलता है, वह दिल को काबू में रखना जानता है। वहीं जो लोग दिल को प्राथमिकता देते हैं, वे कई बार जीवन के कठिन रास्तों पर डगमगा जाते हैं। मगर जापानी दर्शन में कोकोरो कहता है कि, 'सोच और भावनाएं एक साथ जन्म लेती हैं।' कोकोरो दिल और दिमाग दोनों को एक मानता है। विचारकों का भी इस विषय में अलग-अलग मत है। फ्रांसीसी दार्शनिक रेने डेकार्ट मस्तिष्क को सत्य तक पहुंचने का एकमात्र साधन मानते हैं, वहीं फ्रांसीसी दार्शनिक ब्लेज़ पास्कल का कहना है कि, 'दिल के पास अपने ऐसे तर्क होते हैं जिन्हें दिमाग कभी नहीं समझ सकता।' इस दर्शन की जड़ें जापान के दो प्रमुख दर्शनों से जुड़ी हुई हैं। इनमें एक है शिंतो दर्शन और दूसरा जेन दर्शन। शिंतो दर्शन का मानना है कि 'प्रकृति की प्रत्येक वस्तु में एक जीवंत ऊर्जा विद्यमान है। मनुष्य का कोकोरो अर्थात् दिल और दिमाग भी उसी ब्रह्मांडीय ऊर्जा का हिस्सा है, जो बुद्धि और भाव-दोनों से समृद्ध है।' जेन दर्शन में 'शिन' का अर्थ है-मूल स्वभाव। यह सिखाता है कि सत्य को केवल तर्क या केवल दिल से नहीं समझा जा सकता। सत्य का बोध तभी होता है, जब दोनों एक होकर शांत हो जाते हैं। जीवन में भी अनेक ऐसे लोग होते हैं, जो दिल और दिमाग दोनों का संतुलित उपयोग करते हुए सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करते हैं और कोकोरो की अवधारणा को सही सिद्ध करते हैं।

पंजाब के 25 वर्षीय गुरिंदरवीर सिंह ने यही साबित किया है। उन्होंने 23 मई, 2026 को एथलेटिक्स फेडरेशन प्रतियोगिता की पुरुषों की 100 मीटर दौड़ 10.09 सेकंड में पूरी कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। गुरिंदरवीर सिंह का कहना है, 'लोग कहते थे कि भारतीयों के पास 100 मीटर दौड़ के लिए उपयुक्त जीन नहीं हैं। मैं सबको गलत साबित करना चाहता था। भारतीयों के जीन बहुत मजबूत हैं और यह तो सिर्फ शुरुआत है।' 25 वर्षीय गुरिंदरवीर सिंह जापान के फुकुतो कोमुरो के समय से केवल 0.01 सेकंड पीछे रहे। फुकुतो कोमुरो का सर्वश्रेष्ठ समय 10.08 सेकंड है। सीनियर फेडरेशन कप में गुरिंदरवीर ने अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी अनिमेष कुजूर को पीछे छोड़ दिया।

इस प्रतियोगिता में पंजाब के गुरिंदरवीर और ओडिशा के अनिमेष के बीच अत्यंत रोचक मुकाबला देखने को मिला। अनिमेष ने अपने पिछले वर्ष बनाए गए 10.18 सेकंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ प्रतियोगिता के प्रबल दावेदार थे। गुरिंदरवीर ने शुरुआती सेमीफाइनल हीट में इसे 10.17 सेकंड तक पहुंचा दिया। लेकिन केवल पांच मिनट बाद 22 वर्षीय अनिमेष ने दूसरे सेमीफाइनल हीट में 10.15 सेकंड का समय निकालकर रिकॉर्ड फिर अपने नाम कर लिया। इसके बाद फाइनल में गुरिंदरवीर ने 10.09 सेकंड का समय निकालते हुए नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया और चारों ओर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा दिया।

गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष दोनों अच्छे मित्र भी हैं। उनकी मित्रता में दिल और दिमाग-दोनों में से कौन अधिक प्रभावी रहता है? इस प्रश्न पर गुरिंदरवीर सिंह मुस्कराते हुए कहते हैं, 'दिल और दिमाग दोनों का तालमेल बराबर काम करता है। तर्क, सोच और भावनाएं एक साथ ही शरीर में उमड़-घुमड़ रही होती हैं। ऐसे में यदि उनमें संतुलन न बनाया जाए तो बहुत-सी चीजें बिखर जाती हैं।' इस दौड़ में उनके दिल और दिमाग के सामंजस्य ने ही उन्हें अपने मित्र का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए प्रेरित किया।

जापानी सोच के अनुसार विचार और भावनाएं अलग-अलग नहीं रह सकते। तार्किक निर्णय लेते समय भी भावनाएं साथ जुड़ी रहती हैं। कई बार जब भावनाएं या विचार एक-दूसरे पर हावी होने लगते हैं, तो कुछ-न-कुछ अवश्य टूटता है। वहीं जब दोनों का संतुलन बन जाता है, तो कार्य अधिक सुंदरता और सफलता के साथ पूर्ण होता है। जापानी दर्शन कोकोरो का यह संगम व्यक्ति को एक संतुलित इंसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि कोई व्यक्ति केवल मस्तिष्क से ही सोचेगा, तो वह अत्यधिक स्वार्थी बन सकता है। वहीं यदि वह केवल दिल से सोचेगा, तो बहकावे में आ सकता है और ठोस निर्णय नहीं ले पाएगा। दिल और दिमाग-दोनों की सूझबूझ से चलने वाला व्यक्ति न केवल नए रास्ते बनाता है, बल्कि अपनी एक अलग पहचान भी स्थापित करता है।

जापानी दर्शन कोकोरो यह बताता है कि मनुष्य का तन-मन कोई प्रयोगशाला नहीं है, जहां निरंतर प्रयोग किए जाएं। मनुष्य का दिल और दिमाग प्रकृति के दो अत्यंत मूल्यवान और शक्तिशाली उपहार हैं। इनका संतुलित और विवेकपूर्ण प्रयोग अनेक संबंधों को मजबूत बनाता है, नए आविष्कारों को जन्म देता है और संपूर्ण वसुधा को एक परिवार बनाने की दिशा में प्रेरित करता है।

कजरी : लोकगीतों की रानी

बारिश की फुहारों के साथ ही चारों तरफ उल्लास छा जाता है। जहां प्रकृति नित नये रंग बदलती है वहीं पेड़-पौधे, जीव-जन्तु, धरा सभी की रंगत देखते ही बनती है। प्रकृति के साथ ही हर कोई झूम उठता है। इस मौसम में कजरी के बोल भला किसे प्रिय नहीं होंगे। लेकिन गांव के बगीचे में पेंग मारकर झूले झूलती महिलाएं और ऐसे ही अनेक नजारे किसे नहीं आकर्षित करते।

'लोकगीतों की रानी' कजरी सिर्फ गायन भर नहीं है बल्कि यह सावन मौसम की सुन्दरता और उल्लास का उत्सवधर्मी पर्व है। भादों मास पिया मोर नहीं आये। रतिया देखी सवनवा ना। यही नहीं, जिसके पति सेना में या बाहर परदेस में नौकरी करते हैं, घर लौटने पर उनके सांवले पड़े चेहरे को देखकर पत्नियां कजरी के बोलों में गाती हैं—गौर-गौर गइले पिया, आयो हुइका करिया, नौकरिया पिया छोड़ दे ना।

एक मान्यता के अनुसार पति विरह में पत्नियां देवी 'कजमल' के चरणों में रोते हुए गाती हैं, वही गान कजरी के रूप में प्रसिद्ध है— सावन हे सखी सगरो सुहावन। रिमझिम बरसेला मेघ हे, सबके बलमउवा घर अइलन, हमरो बलम परदेस रे।

शास्त्रीय व उपशास्त्रीय बंदिशों से रची कजरी अभी भी उत्तर प्रदेश के कुछ अंचलों की खास लोक संगीत विधा है। विंध्य क्षेत्र में गायी जाने वाली मिर्जापुरी कजरी की अपनी अलग पहचान है। अपनी अनूठी सांस्कृतिक परम्पराओं के कारण मशहूर मिर्जापुरी कजरी को ही ज्यादातर मंचीय गायक गाना पसन्द करते हैं। इसमें सखी-सहेलियों, भाभी-ननद के आपसी रिश्तों की मिठास और छेड़छाड़ के साथ सावन की मस्ती का रंग घुला होता है।

विंध्य क्षेत्र में पारम्परिक कजरी धुनों में झूला झूलती और सावन भादो मास में रात में चौपालों में जाकर स्त्रियां उत्सव मनाती हैं। इस कजरी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह पीढ़ी दर पीढ़ी चलती है और इसकी धुनों व पद्धति को नहीं बदला। ऐसा नहीं है कि कजरी सिर्फ बनारस, मिर्जापुर और गोरखपुर के अंचलों तक ही सीमित है बल्कि इलाहाबाद और अवध अंचल भी इसकी सुमधुरता से अछूते नहीं हैं।

कजरी सिर्फ गाई नहीं जाती बल्कि खेली भी जाती है। इसकी सर्वाधिक विशिष्ट शैली 'धुनमुनिया' है, जिसमें महिलाएं झुककर एक-दूसरे से जुड़ी हुई अर्धवृत्त में नृत्य करती हैं। कजरी हमारी जनचेतना की परिचायक है और जब तक धरती पर हरियाली रहेगी कजरी जीवित रहेगी।

साभार : शब्दशिखर डॉट ब्लॉगस्पॉट डॉट कॉम

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

रिटायर कर्मी बोले-बीएसपी के नए कार्मिकों को जोड़ेंगे सेक्टर-4 सोसाइटी के साथ

भिलाई। बीएसपी एम्पलाइज कोऑपरेटिव एंड वेलफेयर सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-4 ने एक गरिमामय समारोह में माह जून 2026 में भिलाई स्टील प्लांट की सेवा से निवृत्त हुए अपने सदस्य कर्मियों को ससम्मान विदाई दी। विदाई समारोह में रिटायर कर्मियों ने सोसाइटी के प्रति अपने लगाव को खुल कर जाहिर किया और उम्मीद जताई कि भिलाई स्टील प्लांट की सेवा से जुड़ने वाले युवा इसी सोसाइटी के सदस्य बनेंगे। शुरुआत में सोसाइटी के अध्यक्ष पूरन लाल देवांगन ने सभी रिटायर कर्मियों को सम्मान पत्र, मिठाई, श्रीफल व अंतिम भुगतान का चेक प्रदान कर सम्मानित किया। अपने उद्बोधन में अध्यक्ष पूरनलाल देवांगन ने कहा कि रिटायर कर्मियों को हम सोसाइटी परिवार से अलग नहीं समझते है, वे हमारे परिवार का हिस्सा हैं। इस दौरान रिटायर कर्मियों ने भी अपनी भावनाएं व्यक्त की। मशीन असेंबलिंग एंड रि- इंजीनियरिंग शॉप-1 से संजय शर्मा ने कहा मुझे इस बात का गर्व है कि सोसाइटी की शुरुआत मशीन शॉप-1 से हुई और आज भी मशीन शॉप के लोग नेतृत्व कर रहे हैं।

जैन संत डॉ. मणिभद्र मुनि जी का भव्य नगर प्रवेश, श्रद्धालुओं ने किया भावभीना स्वागत

दुर्ग। राष्ट्र संत मानव मिलन के संस्थापक, नेपाल केसरी परम पूज्य डॉ. मणिभद्र मुनि जी म.सा. साधु समुदाय के साथ दुर्ग नगर में भव्य नगर प्रवेश हुआ। नेहरू नगर से प्रारंभ हुई विहार यात्रा मालवीय नगर स्थित जैन दादाबाड़ी पहुँची। मार्ग में साइंस कॉलेज ओवरब्रिज के समीप बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं एवं जैन समाज के लोगों ने गुरुदेव की अगवानी कर जयघोष के साथ मंगल स्वागत किया। नगर प्रवेश यात्रा में श्रमण संघ परिवार के साथ-साथ सकल जैन समाज के सभी वर्गों एवं विभिन्न संप्रदायों के श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल हुए। श्रद्धा, भक्ति एवं धार्मिक उल्लास से परिपूर्ण वातावरण में गुरुदेव के दर्शन एवं वंदना का लाभ श्रद्धालुओं ने प्राप्त किया। जैन दादाबाड़ी में आयोजित प्रथम धर्मसभा में गुरुदेव के सान्निध्य में अधिक से अधिक धर्म, ध्यान तप जप के साथ एवं आत्मकल्याण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने बेला तप की तपस्या का संकल्प भी गुरुदेव को समर्पित किया। जो आगामी 26जुलाई को आयोजित होगा। गुरुदेव का आगामी विहार पद्मनाभपुर, आदर्श नगर एवं ऋषभ ग्रीन सिटी क्षेत्र में रहेगा। इसके पश्चात 26 जुलाई 2026 को वर्धमान हाइट्स से वर्षावास (चातुर्मास) का भव्य मंगल प्रवेश आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर 108 कलशों के साथ भव्य शोभायात्रा निकलेगी तथा धर्म चक्र (48 बेला, 1 तेला तप) जैसे विशेष धार्मिक अनुष्ठान भी संपन्न होंगे।

नीट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं का दुर्ग पुलिस ने किया सम्मान

भिलाई। दुर्ग पुलिस ने नीट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सफल छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। रविवार को पुलिस लाइन दुर्ग में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सफल विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं तथा उन्हें निरंतर परिश्रम, अनुशासन एवं समर्पण के साथ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर रहने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस लाइन दुर्ग में NEET की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

बता दें नीट री एग्जाम के परिणाम एक दिन पहले जारी किए गए। परीक्षा में दुर्ग जिले के पांच छात्रों ने बेहतर प्रदर्शन किया। इनमें अभिनाश 651 अंक, आर्नव 629 अंक, भव्यांश 597 अंक, नूरी शफत 534 अंक व मो अरशद ने 479 अंक प्राप्त किए। इन सभी का दुर्ग पुलिस द्वारा सम्मान किया गया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए यह संदेश दिया गया कि सतत प्रयास, आत्मविश्वास एवं अनुशासित जीवनशैली सफलता की कुंजी है तथा पुलिस विभाग प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण हेतु सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहेगा।

दुर्ग पुलिस विद्यार्थियों एवं युवाओं से अपील करती है कि वे अनुशासन, सकारात्मक सोच एवं निरंतर परिश्रम के माध्यम से अपने शैक्षणिक एवं व्यावसायिक लक्ष्यों की प्राप्ति करें। समाज एवं राष्ट्र निर्माण में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है तथा प्रतिभाशाली युवाओं को प्रोत्साहित करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) सुखनन्दन राठौर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) मणिशंकर चंद्रा, उप पुलिस अधीक्षक लाइन चंद्र प्रकाश तिवारी, रक्षित निरीक्षक नीलकंठ वर्मा तथा सूबेदार रक्षित केंद्र कविता साहू सहित पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

दुर्ग पुलिस का पिंक पेट्रोलिंग अभियान : महिलाओं व बालिकाओं से संवाद कर किया जागरूक

पिंक पेट्रोलिंग टीम ने आयोजित किया जिलेभर में जागरूकता एवं सुरक्षा संवाद का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दुर्ग पुलिस द्वारा जिलेभर में पिंक पेट्रोलिंग अभियान चलाकर सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। उप पुलिस अधीक्षक आकर्षि कश्यप सहित अन्य राजपत्रित अधिकारियों एवं महिला पुलिस अधिकारियों ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में पिंक पेट्रोलिंग कर महिलाओं एवं बच्चों से संवाद स्थापित किया।

महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए दुर्ग पुलिस द्वारा जिलेभर में पिंक पेट्रोलिंग अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में दुर्ग जिले के विभिन्न शहरी थाना क्षेत्रों में डीएसपी आकर्षि कश्यप सहित अन्य राजपत्रित अधिकारियों, महिला उप निरीक्षकों एवं पिंक पेट्रोलिंग टीम द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान डायल-112, महिला हेल्पलाइन-1091, अभिव्यक्ति ऐप, पॉक्सो अधिनियम एवं साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में महिलाओं एवं बच्चों को जागरूक किया गया।

सार्वजनिक स्थलों पर चलाया गया अभियान

अभियान के दौरान मैत्री गार्डन, संडे मार्केट सुपेला, महमरा एनीकट, ट्रैफिक पार्क (सिविक सेंटर) भिलाई नगर सहित अन्य प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर पिंक पेट्रोलिंग कर महिलाओं, बालिकाओं एवं बच्चों से संवाद स्थापित किया गया। उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से महिला सुरक्षा संबंधी कानूनों, पुलिस सहायता सेवाओं एवं सुरक्षा उपायों की जानकारी दी गई। पेट्रोलिंग के दौरान महिलाओं एवं बच्चों को डायल-112, महिला हेल्पलाइन-1091 की जानकारी गई।

अभिव्यक्ति एप व पॉक्सो एक्ट की दी जानकारी

अभिव्यक्ति ऐप, पॉक्सो अधिनियम, साइबर अपराधों से बचाव, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा किसी भी प्रकार की आपराधिक घटना होने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही अभिव्यक्ति ऐप डाउनलोड कर उसके उपयोग के लिए भी प्रेरित किया गया। अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थलों पर नाबालिग बच्चों द्वारा दोपहिया वाहन चलाते पाए जाने पर उन्हें रोककर यातायात नियमों की जानकारी दी गई तथा उनके अभिभावकों से अपील की गई कि वे नाबालिग बच्चों को किसी भी परिस्थिति में मोटर वाहन चलाने की अनुमति न दें।

अभियान उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा

दुर्ग पुलिस द्वारा संचालित पिंक पेट्रोलिंग अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा की भावना विकसित करना, उन्हें कानून एवं पुलिस सहायता तंत्र से जोड़ना तथा सार्वजनिक स्थलों पर असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। उक्त अभियान में डीएसपी आकर्षि कश्यप सहित विभिन्न थाना क्षेत्रों की महिला उप निरीक्षक, पिंक पेट्रोलिंग टीम, संबंधित थाना प्रभारियों एवं पुलिस स्टाफ की सक्रिय एवं सराहनीय भूमिका रही।

पुलिस को दें संदिग्ध गतिविधि की सूचना

दुर्ग पुलिस सभी महिलाओं, बालिकाओं एवं आम नागरिकों से अपील करती है कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, पीछा करना, महिला उत्पीड़न, साइबर अपराध अथवा अन्य संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल डायल-112, महिला हेल्पलाइन-1091 अथवा निकटतम पुलिस थाना को दें।

अभिव्यक्ति ऐप का अधिक से अधिक उपयोग करें तथा अपने परिवार एवं परिचितों को भी इसके प्रति जागरूक करें। साथ ही सभी अभिभावक यह सुनिश्चित करें कि नाबालिग बच्चों को किसी भी स्थिति में दोपहिया अथवा अन्य मोटर वाहन चलाने न दें तथा यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करें।

पेपर लीक मामलों में प्रभावित छात्रों को न्याय देने की मांग

भिलाई। मस्जिद नूरुल इस्लाम, निजामी चौक, फरीद नगर भिलाई में जुमे की नमाज के बाद शिक्षा का महत्व और भारतीय शिक्षा व्यवस्था में सुधार विषय पर विशेष ख़ुत्बा (व्याख्यान) आयोजित किया गया। इस मौके पर एसआईओ छत्तीसगढ़ के सदस्य और भिलाई के इस्लामिक स्कॉलर मज़हर जमील ने शिक्षा, नैतिकता, छात्रों पर बढ़ते दबाव और भारतीय शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक सुधारों को लेकर महत्वपूर्ण विचार रखे। मज़हर जमील ने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री और रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व और चरित्र निर्माण का भी महत्वपूर्ण साधन है। उन्होंने कहा कि ऐसी शिक्षा, जो ईमानदारी, जिम्मेदारी और अच्छे आचरण का निर्माण न करे, अधूरी है। उन्होंने भारतीय शिक्षा पाठ्यक्रम में नैतिक शिक्षा और चरित्र निर्माण से संबंधित पुस्तकों को शामिल किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया। शिक्षा व्यवस्था में सुधार की चर्चा करते हुए मज़हर जमील ने पेपर लीक जैसे गंभीर मामलों में जवाबदेही तय करने की मांग की।

शिवनाथ का सिंधु से संगम कराया भिलाई के युवा श्रद्धालु संतोष ने

प्रथम सिंधु कुम्भ में शामिल हुए, शिवनाथ का पवित्र जल किया अर्पित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। इस्पात नगरी भिलाई के युवा श्रद्धालु संतोष ठाकुर ने सिंधु नदी के तट पर आयोजित प्रथम कुम्भ में हिस्सा लिया। यहां उन्होंने अनूठी पहल करते हुए दुर्ग से शिवनाथ नदी का पवित्र जल पूरे विधि-विधान के साथ सिंधु नदी को समर्पित किया।

मॉडल टाउन निवासी संतोष ठाकुर का कहना है कि माँ सिन्धु के घाट पर प्रथम कुम्भ के आयोजन का हिस्सा होकर वह स्वयं को गौरान्वित महसूस कर रहे हैं। वहीं दुर्ग जिले से शिवनाथ नदी का जल सिन्धु नदी में अर्पित करने का अवसर पाकर हृदय से आनंदित हैं।

संतोष ठाकुर ने बताया कि भारत सरकार की पहल पर सिन्धु दर्शन यात्रा का यह 30 वां वर्ष है। जिसमें लगातार हर वर्ष देश भर से श्रद्धालुओं का जत्था सिंधु दर्शन को पहुंचता है। इस वर्ष पहला अवसर था, जब सिन्धु नदी तट पर कुंभ का आयोजन किया गया था। लेह में सिंधु घाट पर पुरे विधि विधान से कलश यात्रा, सिन्धु पूजन तथा सिंधु स्नान कर, लेह - लद्दाख में 22 जून से 27 जून तक सिन्धु दर्शन यात्रा का आयोजन किया गया था। जिसमे पूरे भारतवर्ष से 2850 लोग शामिल हुए।

उन्होंने बताया कि मुख्यत: जम्मू एवं कुरुक्षेत्र मार्ग से यात्रा प्रारम्भ हुयी। जम्मू मार्ग से यात्रा 17 जून को प्रारंभ हुयी। यहाँ से श्रीनगर , कारगिल होते हुए लेह पहुँच कर प्रथम कुम्भ में शामिल हुए। उनके साथ भिलाई से दीपचंद साहू भी शामिल थे। संतोष ठाकुर ने बताया कि उन्होंने अपनी यात्रा की शुरुआत से पहले ही दुर्ग में शिवनाथ तट पर जाकर पूजा अर्चना की और शिवनाथ का पवित्र जल लुटिया में रख लिया था, ,जिसे वहां विधि-विधान के साथ सिंधु नदी को अर्पित किया।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय दुर्ग में ई-कोर्ट परियोजना के नवीन डिजिटल मॉड्यूलों पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

दुर्ग। माननीय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के निर्देशानुसार एवं माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग के. विनोद कुजूर के मार्गदर्शन में ई-कोर्ट परियोजना के अंतर्गत न्यायालयों में डिजिटल तकनीकों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा न्याय वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी, त्वरित, सुगम एवं तकनीक-सक्षम बनाने के उद्देश्य से आज प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग के चतुर्थ तल स्थित नवीन सभागार में न्याय श्रुति, ई-साक्ष्य, ई-समन, ई-चालान, सीसीटीएनएस तथा आईसीजेएस विषयों पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में ई-कोर्ट परियोजना के अंतर्गत विकसित नवीन डिजिटल मॉड्यूलों के व्यावहारिक उपयोग, उनकी कार्यप्रणाली तथा न्यायालयीन कार्यों में उनके प्रभावी क्रियान्वयन का विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस दौरान न्याय श्रुति के माध्यम से न्यायालयीन कार्यवाही के डिजिटल ट्रांसक्रिप्शन, ई-साक्ष्य द्वारा इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित प्रबंधन, ई-समन के माध्यम से समन की त्वरित एवं पारदर्शी तामील, ई-चालान प्रणाली के प्रभावी उपयोग, सीसीटीएनएस के माध्यम से पुलिस एवं न्यायालय के मध्य सूचना समन्वय तथा आईसीजेएस के माध्यम से न्यायालय, पुलिस, जेल एवं अन्य अन्वेषण एजेंसियों के बीच डिजिटल सूचना के निर्बाध आदान-प्रदान की प्रक्रिया का व्यवहारिक प्रदर्शन किया गया। कार्यशाला के दौरान माननीय उच्च न्यायालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी न्यायिक अधिकारियों को इन डिजिटल प्रणालियों के अधिकतम एवं प्रभावी उपयोग हेतु प्रशिक्षित किया गया। साथ ही प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए विभिन्न मॉड्यूलों के व्यवहारिक एवं तकनीकी पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग के. विनोद कुजूर ने अपने उद्बोधन में कहा कि - ई-कोर्ट परियोजना भारतीय न्यायपालिका को आधुनिक, पारदर्शी एवं नागरिक-केंद्रित न्याय व्यवस्था की ओर अग्रसर करने वाला एक महत्वपूर्ण कदम है। सूचना प्रौद्योगिकी का प्रभावी उपयोग न केवल न्यायिक कार्यों की गति एवं गुणवत्ता में वृद्धि करेगा, बल्कि न्यायालयों की कार्यप्रणाली को अधिक उत्तरदायी, दक्ष एवं पारदर्शी भी बनाएगा।

कल्याण कॉलेज में लगातार सफलतापूर्वक हो रहे एंट्रेंस और रिक्रूटमेंट टेस्ट

कल्याण कॉलेज को मिली ओपन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट की मेजबानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शिक्षाधानी भिलाई के सेक्टर-7 स्थित कल्याण कॉलेज ने एक और उपलब्धि हासिल कर ली है। कॉलेज में लगातार महत्वपूर्ण परीक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है। इसमें छत्तीसगढ़ सहित देश की प्रतिष्ठित संस्थाओं के साथ ही तमाम विश्वविद्यालयों के एंट्रेंस टेस्ट से लेकर रिक्रूटमेंट परीक्षाओं का सफल आयोजन किया जा रहा है। इस कड़ी में प्रदेश के एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय के एंट्रेंस टेस्ट के लिए भी कल्याण कॉलेज में एग्जाम सेंटर बनाया गया। रविवार को कल्याण कॉलेज में एक और परीक्षा का सफलतम आयोजन संपन्न हुआ।

कल्याण कॉलेज में रविवार को पंडित सुंदरलाल शर्मा विश्वविद्यालय में एडमिशन के लिए एंट्रेंस टेस्ट आयोजित किया गया।

हम आपको बता दें कि बिलासपुर स्थित पंडित सुंदरलाल शर्मा विवि छत्तीसगढ़ राज्य का एकमात्र शासकीय मुक्त विश्वविद्यालय है। मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए कल्याण कॉलेज में दो शिफ्ट में परीक्षा आयोजित की गई।

करीब 600 परीक्षार्थी हुए शामिल

पहले शिफ्ट में प्री-बीएड टेस्ट आयोजित किया गया। पहले शिफ्ट के तीन सौ परीक्षार्थियों में से 271 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 29 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इसी तरह दूसरे शिफ्ट में प्री-डी.एल.एड टेस्ट में 400 उम्मीदवारों के लिए बनाए गए केन्द्र में से 300 परीक्षार्थी उपस्थित रहे और 100 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। दस से सवा 12 बजे तक आयोजित हुए पहले शिफ्ट में 26 प्रोफेसर्स वीक्षकीय कार्य में संलग्न रहे। जबकि दोपहर दो बजे से लेकर सवा चार बजे तक आयोजित किए गए द्वितीय शिफ्ट में 35 प्रोफेसर्स ने मोर्चा संभाला।

टीम की उल्लेखनीय भूमिका का है नतीजा

कल्याण कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ.विनय शर्मा ने कहा कि निरंतर प्रतियोगी और प्रवेश परीक्षाओं का महाविद्यालय में आयोजन होना हम सब के लिए गर्व की बात है। हमारे अफसर, प्राध्यापक, वीक्षक और कर्मचारी हरेक परीक्षाओं में महती भूमिका निभाते है, जिसके चलते सभी परीक्षाएं हमारे महाविद्यालय में सफलतम ढंग से संपन्न हो रही है। इस परीक्षा में सहायक केन्द्राध्यक्ष के रूप में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ.गुणवंत चन्द्रौल के साथ ही डॉ.ईश्वर सिंह बरगाह और डॉ.रवीश कुमार सोनी सहित अन्य प्राध्यापकों और कर्मचारियों की उल्लेखनीय भूमिका रही।

परीक्षार्थियों के लिए बढ़ गई सुविधाएं

इस परीक्षा में आंशिक बदलाव देखने को मिला। पूर्व की परीक्षाओं में अभ्यर्थियों को प्रवेश के समय ही डॉक्यूमेंट्स परीक्षण के साथ ही आवश्यक प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता था। लेकिन इस बार बॉयोमेट्रिक को हरेक कक्षा में कराया गया। टीम के सदस्य क्रमबद्ध तरीके से एक-एक परीक्षार्थी के पास जाकर बॉयोमेट्रिक की प्रक्रिया पूरी करवाते गए।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित हुईं शिक्षिका मृदुला

रायपुर। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य, नवाचारी शिक्षण पद्धतियों और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में उल्लेखनीय योगदान के लिए रायपुर जिले की शिक्षिका मृदुला झा को स्व. हरिवंश मिश्र राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान 15 जुलाई 2026 को रायपुर के शांति नगर स्थित विमतारा में आयोजित भव्य समारोह में प्रदान किया गया। मृदुला झा वर्तमान में शासकीय प्राथमिक शाला, गुरुघासीदास नगर, गुढ़ियारी (रायपुर) में सहायक शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं। उन्हें विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नवाचार आधारित शिक्षण, बाल-केंद्रित गतिविधियों, नैतिक मूल्यों के विकास, डिजिटल शिक्षा के प्रभावी उपयोग तथा पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए यह राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. हिमांशु द्विवेदी थे। अध्यक्षता एन.आर. स्टील, रायगढ़ के संस्थापक एवं शिक्षाविद् संजय अग्रवाल ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष एवं रेल मंत्रालय के राजभाषा हिंदी सलाहकार डॉ. चितरंजन कर तथा राष्ट्रीय शिक्षा अंजोर भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. पूर्णानंद मिश्रा उपस्थित रहे।

सेवा सेतु पोर्टलः विवाह प्रमाण पत्र प्राप्त कर नवविवाहित दंपत्ति ने जताया आभार

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नागरिकों को शासकीय सेवाएं सरल, सुलभ, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित सेवा सेतु पोर्टल आमजन के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो रहा है। इस पोर्टल के माध्यम से विभिन्न प्रमाण पत्रों एवं शासकीय सेवाओं का लाभ अब नागरिकों को कम समय में, बिना अनावश्यक भागदौड़ के प्राप्त हो रहा है। इसी कड़ी में बेमेतरा जिले की तहसील बेरला अंतर्गत ग्राम पंचायत किरीतपुर की निवासी प्रियंका, पिता नीलकंठ, जिनका विवाह बलौदाबाजार जिले की तहसील सिमगा अंतर्गत ग्राम नवागांव, पोस्ट कामता निवासी टिकेश्वर, पिता श्री नारायण के साथ संपन्न हुआ है, ने विवाह उपरांत सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से विवाह प्रमाण पत्र हेतु ऑनलाइन आवेदन किया। आवेदन प्राप्त होने के पश्चात संबंधित अधिकारियों द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप आवश्यक दस्तावेजों का परीक्षण एवं सत्यापन किया गया। सभी औपचारिकताएं पूर्ण होने के बाद निर्धारित समयावधि में विवाह प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया।

पीएम आवास योजना के हितग्राहियों को बड़ी राहत

सुकमा। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत स्वीकृति प्राप्त करने के बावजूद जिन आवास हितग्राहियों के बैंक खातों में डीबीटी सक्रिय नहीं होने के कारण प्रथम किश्त का भुगतान लंबित था, ऐसे हितग्राहियों को त्वरित लाभ दिलाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा विशेष पहल की गई। इसी क्रम में शुक्रवार को कोंटा विकासखंड की दूरस्थ ग्राम पंचायत ताड़मेटला एवं एर्राबोर में बैंक स्टाफ के सहयोग से संयुक्त विशेष शिविर का सफल आयोजन किया गया। कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशन और जिला सीईओ मुकुन्द ठाकुर के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर के दौरान जिला प्रशासन एवं बैंक अधिकारियों की संयुक्त टीम ने हितग्राहियों के बैंक खातों का सत्यापन कर आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कराईं। बैंक खातों में सुविधा सफलतापूर्वक सक्रिय की गई।

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता - उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन में कबीरधाम ने रचा कीर्तिमान, प्रदेश में पहले स्थान पर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने जिले के आठ स्वास्थ्य संस्थानों को कवर्धा में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणपत्र प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन प्रमाणन केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि स्वास्थ्य संस्थानों की बेहतर कार्यप्रणाली और मरीजों के प्रति संवेदनशील सेवाओं का प्रमाण है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर पलानसरी, मिनमिनिया, गोछिया, वीरेंद्रनगर, गौरमाटी, धरमगढ़, गेंदपुर एवं रंजीतपुर को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणपत्र प्रदान किए। इस अवसर पर जिला

पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश चंद्रवंशी, नगर पालिका उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य राम कुमार भट्ट, डॉ. वीरेन्द्र साहू, नितेश अग्रवाल, पूर्व विधायक सियाराम साहू, मोतीराम चंद्रवंशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे, लोकचंद साहू, कलेक्टर गोपाल वर्मा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

कलेक्टर गोपाल वर्मा के निर्देशन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी. के. तुरे तथा जिला कार्यक्रम प्रबंधक (एनएचएम) अनुपमा तिवारी के मार्गदर्शन में जिले की 60 शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं ने राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणपत्र प्राप्त कर स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह प्रमाणपत्र स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध उत्कृष्ट गुणवत्ता की स्वास्थ्य सेवाओं एवं रोगी-केंद्रित देखभाल का प्रमाण है। यह उन संस्थानों को प्रदान किया जाता है, जो सेवा प्रावधान, रोगी अधिकार, समर्थन सेवाएं, नैदानिक सेवाएं, संक्रमण नियंत्रण तथा गुणवत्ता प्रबंधन जैसे कठोर मानकों पर खरे उतरते हैं।

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के लिए स्वास्थ्य संस्थानों को निर्धारित चेकलिस्ट के अनुसार व्यापक तैयारी करनी होती है। इसके बाद जिला एवं राज्य स्तरीय टीम संस्था का निरीक्षण कर दस्तावेजों का परीक्षण, साक्षात्कार, साफ-सफाई, आवश्यक दवाइयों एवं जांच किट की उपलब्धता, भवन की स्थिति, जल एवं विद्युत आपूर्ति तथा मरीजों को उपलब्ध सुविधाओं का मूल्यांकन करती है।

प्रत्येक मानक में 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने के बाद ही संस्था राष्ट्रीय स्तर के प्रमाणीकरण हेतु सक्षम पोर्टल पर आवेदन करती है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य शासन द्वारा जिले के 73 स्वास्थ्य संस्थानों को प्रमाणीकरण हेतु तैयार करने का लक्ष्य दिया गया था। इसके विरुद्ध कबीरधाम जिले ने 91 शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों (125 प्रतिशत) में गुणवत्ता सुधार का कार्य प्रारंभ कर राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

मोदी की गारंटी, सुशासन की नीति और जनकल्याण की प्रतिबद्धता से बदल रहा छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि प्रदेश सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के विकास, किसानों की समृद्धि, महिलाओं के सशक्तिकरण, पारदर्शी सुशासन और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार ने ढाई वर्षों में अधिकांश मोदी गारंटियों को पूरा कर जनविश्वास को मजबूत किया है।

मुख्यमंत्री साय राजधानी रायपुर के ग्राम-बरौदा में आयोजित झेरिया यादव समाज के महासम्मेलन एवं सामाजिक भवन लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने रायपुर में झेरिया यादव समाज के सामाजिक भवन के लिए 15 लाख रुपये की घोषणा की तथा ग्राम बरौदा में नवनिर्मित सामाजिक भवन का लोकार्पण भी किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यादव समाज भारतीय संस्कृति, जीवन-मूल्यों और गौ-सेवा की समृद्ध परंपरा का संवाहक है। भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों पर चलने वाला यह समाज धर्म, सेवा और सामाजिक समरसता का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि संगठित और जागरूक समाज ही मजबूत राष्ट्र की आधारशिला होता है तथा ऐसे सामाजिक सम्मेलन समाज सुधार और सामाजिक एकता को नई दिशा देते हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की माताओं-बहनों के खातों में प्रतिमाह एक हजार रुपये की राशि अंतरित की जा रही है। इस योजना ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को नई मजबूती प्रदान की है और परिवारों की आर्थिक सुरक्षा बढ़ाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी बस्तर के विकास में सबसे बड़ी बाधा नक्सलवाद था, लेकिन अब वहां शांति और विकास का नया वातावरण निर्मित हुआ है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और रोजगार जैसी सुविधाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है तथा विकास की मुख्यधारा अंतिम गांव तक पहुंच रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ भगवान श्रीराम का ननिहाल है। रामलला दर्शन योजना के माध्यम से अब तक 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के दर्शन का अवसर मिल चुका है। सरकार विकास भी और विरासत भी के मूलमंत्र पर कार्य कर रही है। कार्यक्रम में विधायक अनुज शर्मा, रामकुमार यादव, छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज के प्रदेश अध्यक्ष जगनीक यादव, भगत सिंह यादव, आशा संतोष यादव सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

मोदी की गारंटियों को पूरा करने में छत्तीसगढ़ अग्रणी

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सरकार गठन के बाद पहली ही कैबिनेट बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। विशेष पिछड़ी जनजातियों (पीवीटीजी) के लिए 32 हजार प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिससे समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी कर रही है। किसान कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है और खेती को लाभकारी बनाने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं।

सुशासन और डिजिटल सेवाओं से आसान हो रहा जनजीवन

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है जहां सुशासन एवं अभिसरण विभाग की स्थापना की गई है। सरकारी सेवाओं को पारदर्शी, जवाबदेह और समयबद्ध बनाने के लिए प्रक्रियाओं का तेजी से डिजिटलीकरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से नागरिक 24 घंटे, सप्ताह के सातों दिन अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए विभिन्न विभागों के लगभग 8 हजार अधिकारियों और कर्मचारियों को चार स्तरीय व्यवस्था से जोड़ा गया है। साथ ही प्रत्येक पंचायत में अटल डिजिटल सेवा केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, जहां नागरिकों को विभिन्न प्रमाणपत्र और सरकारी सेवाएं एक ही स्थान पर आसानी से उपलब्ध हो रही हैं।

साय सरकार में रोजगार के नए अवसर बस्तर के स्थानीय युवाओं को मिलेगा प्राथमिकता का लाभ - मंत्री कश्यप

लगभग 5,800 युवाओं को मिलेगा रोजगार का अवसर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन मंत्री केदार कश्यप ने बस्तर फाइटर्स भर्ती नियमों में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दिए जाने के राज्य सरकार के निर्णय का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह निर्णय बस्तर के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य, क्षेत्र की सुरक्षा और समग्र विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। इससे बस्तर संभाग के लगभग 5,800 स्थानीय युवाओं के लिए सरकारी सेवा में रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे।

मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रभावी मार्गदर्शन में बस्तर आज विकास, विश्वास और अवसरों के नए युग की ओर बढ़ रहा है। केंद्र सरकार की स्पष्ट नीति और निरंतर प्रयासों से बस्तर में विकास कार्यों को नई गति मिली है तथा युवाओं के लिए शिक्षा, रोजगार और बेहतर भविष्य के अनेक द्वार खुले हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार बस्तर के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लगातार जनहितकारी और दूरदर्शी निर्णय ले रही है। बस्तर फाइटर्स भर्ती में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देने का निर्णय इसी संवेदनशील और विकासोन्मुखी सोच का परिणाम है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय बस्तर के युवाओं के सपनों को नई उड़ान देगा। केदार कश्यप ने कहा कि स्थानीय युवा अपनी भाषा, संस्कृति, भौगोलिक परिस्थितियों और सामाजिक परिवेश से भली-भांति परिचित हैं। उनकी सहभागिता से सुरक्षा व्यवस्था और अधिक प्रभावी होगी, प्रशासन एवं आमजन के बीच विश्वास मजबूत होगा तथा विकास कार्यों को भी नई गति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि यह निर्णय केवल रोजगार उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि आत्मनिर्भर, सुरक्षित और विकसित बस्तर के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जर्जर सड़क पर ग्रामीणों ने लगाई धान की फसल, अनोखे प्रदर्शन से प्रशासन का ध्यान खींचने की कोशिश

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर/सरगुजा। सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पुहपुटरा के चिलबिल पंडोपारा में जर्जर सड़क से परेशान ग्रामीणों ने अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढों और कीचड़ से नाराज ग्रामीणों ने उसी सड़क पर धान की रोपाई कर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों का ध्यान अपनी समस्या की ओर आकर्षित करने का प्रयास किया ।ग्रामीणों का कहना है कि वे पिछले करीब 10 वर्षों से सड़क निर्माण की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं।

उनका आरोप है कि क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कैबिनेट मंत्री के पास होने के बावजूद सड़क की समस्या का समाधान नहीं हो सका है ।ग्रामीणों के अनुसार, बारिश के मौसम में सड़क की स्थिति बेहद खराब हो जाती है। कीचड़ और गड्ढों के कारण स्कूली बच्चों को रोजाना आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है और कई बार वे गिरकर घायल भी हो जाते हैं ।ग्रामीणों ने बताया कि खराब सड़क के कारण एम्बुलेंस गांव तक नहीं पहुंच पाती। ऐसे में गंभीर मरीजों और गर्भवती महिलाओं को करीब दो किलोमीटर तक खाट पर ले जाकर मुख्य सड़क तक पहुंचाना पड़ता है, जिससे कई बार इलाज में देरी हो जाती है ।ग्रामीणों का यह भी कहना है कि इस क्षेत्र में विशेष पिछड़ी जनजाति पंडो समुदाय के परिवार निवास करते हैं, लेकिन उनकी मूलभूत सुविधाओं की ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

उनका आरोप है कि पंचायत स्तर पर भी केवल औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं ।ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द सड़क निर्माण कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे आगे भी आंदोलन जारी रखेंगे।

स्वच्छता का संकल्प, विकास का शुभारंभ : वीर शिवाजी वार्ड में 40 लाख रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन

विधायक राजेश मूणत एवं महापौर मीनल चौबे ने दिलाई स्वच्छता की शपथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत वीर शिवाजी वार्ड क्रमांक-16 में आज विकास और जनजागरूकता का अनूठा संगम देखने को मिला। क्षेत्र में लगभग 40 लाख रुपये की लागत से विभिन्न जनहितैषी विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन के साथ-साथ स्वच्छता के प्रति नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष जनसंकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में रायपुर पश्चिम के विधायक राजेश मूणत एवं रायपुर नगर निगम की महापौर मीनल चौबे सहित जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय

नागरिक उपस्थित रहे ।इस अवसर पर गायत्री प्रज्ञा पीठ में अतिरिक्त कक्ष निर्माण, खमतराई बाजार स्थित आंगनबाड़ी एवं प्रथम तल पर जिम भवन निर्माण, तथा सतनाम भवन के समीप ग्रंथालय एवं योग कक्ष निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया ।इन कार्यों से क्षेत्र में शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य तथा सामाजिक गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी ।कार्यक्रम का सबसे प्रेरणादायी क्षण तब आया जब गायत्री मंदिर परिसर में उपस्थित सैकड़ों नागरिकों ने स्वच्छता के प्रति सामूहिक संकल्प लिया।

सभी ने शपथ ली कि वे अपने घरों का कचरा नालियों अथवा सार्वजनिक स्थानों पर नहीं फेंकेंगे, बल्कि नगर निगम की डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था का उपयोग करते हुए निर्धारित वाहन को ही अपना कचरा सौंपेंगे।

साथ ही अपने आसपास के लोगों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करेंगे ।इस अवसर पर विधायक राजेश मूणत ने कहा कि विकास केवल भवनों और सड़कों के निर्माण तक सीमित नहीं होता, बल्कि नागरिकों के भीतर सामाजिक जिम्मेदारी और जागरूकता का भाव विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है ।उन्होंने कहा कि सरकार और नगर निगम अपनी जिम्मेदारियाँ पूरी निष्ठा से निभा रहे हैं, लेकिन शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका नागरिकों की होती है।

गीदम समिति ने रचा इतिहास, 10 हजार 909 रुपये प्रति मानक बोरा तक मिली रिकॉर्ड

38 वर्षों में सबसे अधिक कीमत पर बिका तेंदूपत्ता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले की गीदम प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति ने तेंदूपत्ता विक्रय में 38 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास रच दिया है। 16 जुलाई 2026 को आयोजित ऑनलाइन निविदा में गीदम समिति के तेंदूपत्ते को 10,909 प्रति मानक बोरा तक का ऐतिहासिक मूल्य प्राप्त हुआ है।

दंतेवाड़ा जिले की प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति गीदम ने तेंदूपत्ता विक्रयमें ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा आयोजित ऑनलाइन निविदा में समिति का तेंदूपत्ता 10 हजार 609 रुपये और 10 हजार 909 रुपये प्रति मानक बोरा की रिकॉर्ड दर पर बिका। यह गीदम समिति के 38 वर्षों के

इतिहास में तेंदूपत्ता विक्रय की सबसे अधिक कीमत है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे वनाश्रित परिवारों की आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता बताया है। उन्होंने कहा कि पारदर्शी ऑनलाइन निविदा प्रक्रिया और गुणवत्तापूर्ण कार्यप्रणाली का लाभ अब सीधे तेंदूपत्ता संग्रहकों तक पहुंच रहा है।

सामूहिक प्रयासों से मिली ऐतिहासिक सफलता

वन मंत्री केदार कश्यप ने इस उपलब्धि के लिए मुख्य वन संरक्षक, दंतेवाड़ा वनमंडलाधिकारी, जिला लघु वनोपज सहकारी संघ, समिति के पदाधिकारियों, फड़ मुंशियों और सभी अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों से गीदम समिति ने यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वनाश्रित परिवारों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लघु वनोपज के माध्यम से उनकी आय बढ़ाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। आने वाले समय में भी तेंदूपत्ता और अन्य लघु वनोपज से जुड़े परिवारों को बेहतर आर्थिक लाभ दिलाने के प्रयास जारी रहेंगे।

करीब 4 हजार संग्राहक परिवारों को मिलेगा बोनस का लाभ

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि तेंदूपत्ता रिकॉर्ड दर पर बिकने से समिति को अतिरिक्त आय प्राप्त होगी। इसका लाभ बोनस के रूप में समिति से जुड़े करीब 4 हजार तेंदूपत्ता संग्रहक परिवारों को मिलेगा। इससे वनाश्रित परिवारों की आय बढ़ेगी और उनकी आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी।

भुगतान में पारदर्शिता

राज्य सरकार द्वारा तेंदूपत्ता संग्रहण, बोनस, छात्रवृत्ति, बीमा और अन्य लघु वनोपज योजनाओं में डिजिटल व्यवस्था को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से संग्रहकों के बैंक खातों में राशि सीधे जमा की जा रही है।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

इस हफ्ते ने ऐसा इक्का चलाया कि धमाल ही मच गया: संजीदा शेख

अभिनेत्री संजीदा शेख इन दिनों अपनी फिल्म धमाल-4 और इक्का की रिलीज का लुत्फ उठा रही हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि अलग-अलग समय पर बनी फिल्में एक ही दिन रिलीज हो जाएंगी।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने इस खास पल को अनोखा बताया। अभिनेत्री संजीदा शेख ने शब्दों से खेलते हुए लिखा, इस हफ्ते ने ऐसा इक्का चलाया कि धमाल ही मच गया। क्या शानदार और यादगार हफ्ता रहा। किस्मत भी कभी-कभी बहुत खूबसूरत तरीके से चीजों को जोड़ देती है। अलग-अलग समय पर शूट की गई धमाल 4 और इक्का एक ही दिन रिलीज होंगी, ऐसा मैंने कभी नहीं सोचा था। अभी भी इस एहसास को महसूस कर रही हूं। दर्शकों द्वारा मिले प्यार, खुशी और सम्मान के लिए मेरे पास शब्द नहीं है। मैं अभी इस प्यार को पूरी तरह महसूस करने की कोशिश कर रही हूं।

आप सभी के प्यार और हौसला बढ़ाने के लिए दिल से धन्यवाद। आपका प्यार मुझे और बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है। शुक्रिया। फिल्म धमाल-4 में संजीदा शेख अहम भूमिका में नजर आ रही हैं। फिल्म में वह अरशद वारसी (आदि) और जावेद जाफरी (मानव) की जोड़ी वाली तीसरी टोली का हिस्सा हैं, जहां वह भाभी (आदि की पत्नी) का किरदार निभा रही हैं।

इंद्र कुमार के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में अजय देवगन, रितेश देशमुख, रवि किशन, संजय मिश्रा, उपेंद्र लिमये, अंजलि आनंद और ईशा गुप्ता जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं।

नेटफ्लिक्स की फिल्म इक्का एक हाई स्टेक्स लीगल थ्रिलर में संजीदा शेख ने गौरी (शौर्यमान की पत्नी) की भूमिका निभाई है। फिल्म में उनके किरदार को कहानी के अनुसार अहम, लेकिन सीमित स्क्रीन स्पेस वाला बताया गया है।

धमाल-4 और इक्का दोनों ही फिल्में 10 जुलाई को दुनियाभर में रिलीज हुईं। कॉमेडी ड्रामा थिएटर में आई, जबकि एक्शन थ्रिलर का प्रीमियर ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर हुआ।

'यह अहसास शब्दों से परे है'; नितेश तिवारी की 'रामायण' का हिस्सा बनकर खुशी से झूमी रकुल प्रीत सिंह

रणबीर कपूर और साई पल्लवी अभिनीत फिल्म 'रामायण' का हिस्सा बनकर रकुल प्रीत सिंह बेहद खुश हैं। बीते दिन शनिवार को इस फिल्म का भव्य ट्रेलर लॉन्च इवेंट आयोजित किया गया। इस मौके पर रकुल प्रीत सिंह भी शामिल हुईं। फिल्म में काम करने को लेकर अभिनेत्री बेहद खुश हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर खुशी जताई है।

रकुल ने 'रामायण' को बताया सिनेमा से आगे की यात्रा

रकुल प्रीत सिंह ने इस प्रोजेक्ट को सिनेमा से भी आगे की एक यात्रा बताया है। रविवार को रकुल ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने 'रामायण' के भव्य ट्रेलर लॉन्च इवेंट की झलकियां शेयर कीं। साथ ही इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के बारे में बात की। इवेंट में रकुल प्रीत येलो कलर की ड्रेस में नजर आईं।

रकुल प्रीत बोलीं- 'बेसब्री से इंतजार है'

उन्होंने लिखा है, 'एक ऐसी चीज का हिस्सा बनना सम्मान की बात है, जो जिंदगी और सिनेमा से भी कहीं बड़ी है। हमारा इतिहास, हमारी विरासत, हमारी रामायण। हम दुनिया के सामने भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह एहसास सचमुच शब्दों से परे है। आप सभी के हमारे साथ इस दुनिया में कदम रखने का बेसब्री से इंतजार है'।

रकुल प्रीत सिंह की भूमिका क्या होगी?

बता दें कि रकुल प्रीत सिंह को नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में शूर्पणखा की भूमिका में देखा जाएगा। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में होंगे। वहीं, साई पल्लवी माता सीता का रोल कर रही हैं। एक्टर यश रावण की अहम भूमिका में दिखाई देंगे। फिल्म दो हिस्सों में रिलीज होगी। पहला हिस्सा इस साल दिवाली पर आएगा। वहीं, दूसरा पार्ट अगले साल यानी 2027 में दिवाली के अवसर पर रिलीज होगा।

सपने सच होते हैं मगर, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री चुने जाने के बाद यामी गौतम ने कही ये बात

अभिनेत्री यामी गौतम को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री घोषित किया गया है। उन्हें फिल्म 'आर्टिकल 370' में बेहतरीन अदाकारी करने के लिए यह पुरस्कार दिया गया है। इसके अलावा उनकी फिल्म 'आर्टिकल 370' को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार दिया गया है। इस कामयाबी से अभिनेत्री खुश हैं। पुरस्कार मिलने पर उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखी है।

खास है पल

अभिनेत्री ने पुरस्कार मिलने के बाद एक्स पर लिखा 'हर सफर में एक ऐसा पल आता है, जो आपको याद दिलाता है कि आपने हार क्यों नहीं मानी। आज मेरे लिए वही पल है। 'आर्टिकल 370' के लिए नेशनल अवॉर्ड मिलना मेरे लिए एक ऐसा सम्मान है जिसे मैं जिंदगी भर याद रखूंगी।'

ईमानदारी से काम किया

उन्होंने आगे लिखा 'चौदह वर्षों से, मैंने बस अपने काम के प्रति ईमानदार रहने, ईमानदारी से काम करने और अपनी परफॉर्मेंस को ही अपनी पहचान बनाने की कोशिश की है। यह सम्मान उम्मीद, हिम्मत, मजबूती और सिनेमा के लिए अटूट प्यार से भरे सफर का नतीजा लगता है। यह एक ऐसा सपना है, जिसे मैंने वर्षों से अपने दिल में संजोकर रखा था और आज, मैं इसे बहुत आभार और विनम्रता के साथ स्वीकार कर रही हूं।'

यामी गौतम ने जताया आभार

उन्होंने फिल्म 'आर्टिकल 370' को चुनने के लिए और इसे पुरस्कार देने के लिए आभार जताया है। उन्होंने लिखा 'मेरे परिवार, मेरी टीम, मेरे शुभचिंतकों और उन सभी लोगों का शुक्रिया जिन्होंने उतार-चढ़ाव के हर दौर में मुझ पर भरोसा किया। आपके भरोसे ने मुझे आगे बढ़ते रहने की हिम्मत दी, तब भी जब मंजिल बहुत दूर लगती थी।'

सपने सच होते हैं

उन्होंने आगे लिखा 'यह अवॉर्ड किसी सपने का अंत नहीं है, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी की शुरुआत है। सपने सच होते हैं, लेकिन तभी जब आपका जुनून हार मानने से इनकार कर दे। यह उन सभी सपने देखने वालों के लिए है, जो अभी भी अपने उस खास पल का इंतजार कर रहे हैं। कभी भी भरोसा करना न छोड़ें।'

गर्भवती महिलाओं के लिए खतरा बन सकती हैं ये चीजें मानसून के दौरान इनसे रहें दूर

मानसून का मौसम कई बीमारियों का कारण बन सकता है, लेकिन गर्भवती महिलाओं के लिए यह और भी ज्यादा खतरनाक है। इसका कारण है कि मानसून के दौरान होने वाली बीमारियां गर्भवती महिलाओं और उनके होने वाले बच्चे के लिए गंभीर खतरा बन सकती हैं। आइए आज हम आपको ऐसी चीजों के बारे में बताते हैं, जिनसे गर्भवती महिलाओं को मानसून के दौरान दूरी बनाकर रखनी चाहिए, ताकि वे सुरक्षित रहें।

तैराकी

मानसून में तैराकी करने से बचना चाहिए, क्योंकि तालाबों या स्विमिंग पूल में मौजूद कीटाणु पेट के संक्रमण से लेकर डेंगू और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों तक का कारण बन सकते हैं।

ये बीमारियां गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत गंभीर हो सकती हैं। खासकर, अगर इनकी वजह से अस्पताल जाने की जरूरत पड़े तो यह गर्भवती महिला और उसके बच्चे के लिए बहुत खतरनाक हो सकता है। इसलिए, तैराकी से दूरी बनाए रखना बेहतर है।

ठंडा पेय और आइसक्रीम

मानसून के दौरान ठंडा पेय और आइसक्रीम का सेवन भी गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकता है।

इसका कारण है कि मानसून में इन पेय और खाद्य पदार्थों में बैक्टीरिया पनपने लगते हैं, जो पेट के संक्रमण का कारण बन सकते हैं।

ये खाद्य पदार्थ काफी ठंडे भी होते हैं और बारिश के कारण भी मौसम ठंडा हो जाता है। ऐसे में इनके सेवन से गर्भवती महिलाओं के बीमार पडने् का खतरा बढ़ सकता है।

नंगे पैर चलना

मानसून में सड़क पर नंगे पैर चलना भी गलती है, फिर चाहे आप किसी भी स्टेज पर गर्भवती क्यों न हों। इसका कारण है कि मानसून में सड़कें गीली रहती हैं और इस कारण इनमें मौजूद कीटाणु आपको बीमार कर सकते हैं।

यही नहीं, गीली सड़कें फिसलन वाली भी होती हैं, जिससे गिरकर चोट लगने का खतरा भी रहता है। इसलिए, हमेशा जूते या चप्पल पहनकर ही बाहर निकलना चाहिए।

खुली चीजें खाना

मानसून में खुली चीजें खाना भी सही नहीं है। इसका कारण है कि खुली चीजें जल्दी खराब हो जाती हैं और इनका सेवन आपको बीमार कर सकता है।

इसलिए, गर्भवती महिलाएं खुली चीजें खाने से बचें। अगर किसी कारण से खुली चीजें खानी भी पड़ जाए तो इनसे होने वाली बीमारियों से बचने के लिए ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं और डॉक्टर से संपर्क करें।

सुरक्षित और ताजा भोजन का ही सेवन करें।

एरोबिक्स बनाम जैजर्साइज: दोनों में से कौन-सी एक्सरसाइज है ज्यादा लाभदायक

एरोबिक्स और जैजर्साइज दोनों ही ऐसी एक्सरसाइज हैं, जो शरीर को फिट रखने में मदद करती हैं। जहां एरोबिक्स में पारंपरिक व्यायाम शामिल हैं, वहीं जैजर्साइज में नाच-गाने का भी तत्व होता है। दोनों का अपना अलग-अलग महत्व और फायदे हैं। इस लेख में हम इनके बीच के अंतर और स्वास्थ्य पर पडने् वाले प्रभावों की तुलना करेंगे, जिससे यह समझने में मदद मिलेगी कि आपके लिए कौन सी एक्सरसाइज बेहतर है।

एरोबिक्स क्या है?

एरोबिक्स एक ऐसी एक्सरसाइज है, जिसमें तेज गति वाले व्यायाम शामिल होते हैं। यह सांस लेने की प्रणाली को बेहतर बनाने और शरीर की ऊर्जा को बढ़ाने में मदद करता है।

एरोबिक्स में दौडना्, तैरना, साइकिल चलाना आदि शामिल होते हैं। यह आपके दिल और फेफड़ों को मजबूत बनाता है, जिससे खून का संचार बेहतर होता है।

इसके अलावा यह वजन कम करने और मांसपेशियों को मजबूत करने में भी मदद करता है।

जैजर्साइज क्या है?

जैजर्साइज एक नाच-गाने पर आधारित एक्सरसाइज है, जिसमें विभिन्न प्रकार के संगीत और डांस स्टेप्स शामिल होते हैं। यह न केवल आपके दिल की धड़कन को बढ़ाता है बल्कि आपको मजेदार तरीके से फिट रखने में मदद करता है।

जैजर्साइज करने से तनाव कम होता है और मानसिक सेहत बेहतर होती है। यह शरीर की लचीलापन को बढ़ाता है और कैलोरी बर्न करने में भी मदद करता है।

दोनों एक्सरसाइज का अंतर

एरोबिक्स और जैजर्साइज दोनों ही व्यायाम हैं, लेकिन इनके तरीके अलग हैं। एरोबिक्स में पारंपरिक व्यायाम शामिल होते हैं, जबकि जैजर्साइज में नाच-गाने का तत्व होता है।

एरोबिक्स के लिए किसी विशेष उपकरण की आवश्यकता नहीं होती, जबकि जैजर्साइज में कभी-कभी विशेष उपकरणों का उपयोग किया जा सकता है।

दोनों का उद्देश्य शरीर को फिट रखना है, लेकिन इनके तरीके अलग-अलग हैं।

स्वास्थ्य पर प्रभाव

दोनों ही एक्सरसाइज का सेहत पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। एरोबिक्स करने से दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है और ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है।

यह वजन कम करने और मांसपेशियों को मजबूत करने में मदद करता है। जैजर्साइज करने से तनाव कम होता है और मानसिक सेहत बेहतर होती है।

यह शरीर की लचीलापन को बढ़ाता है और कैलोरी बर्न करने में भी मदद करता है।

इन दोनों में से किसे चुनें?

अब सवाल उठता है कि इन दोनों में से किसे चुनना चाहिए?

अगर आप पारंपरिक व्यायाम पसंद करते हैं तो एरोबिक्स बेहतर विकल्प हो सकता है, वहीं अगर आप मजेदार तरीके से फिट रहना चाहते हैं तो जैजर्साइज आजमा सकते हैं।

यह आपकी व्यक्तिगत रुचि और जरूरतों पर निर्भर करता है कि आप कौन-सी एक्सरसाइज चुनें। दोनों का उद्देश्य शरीर को फिट रखना है, लेकिन इनके तरीके अलग-अलग हैं।

जन्मदिवस पर विजय शर्मा ने किया पौधारोपण, हजारों लोगों के साथ दिया हरियाली का संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने रविवार को अपने जन्मदिवस पर मेडिकल कॉलेज परिसर में आयोजित वृक्षारोपण महाअभियान-2026 में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

उनके साथ जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, स्कूल के विद्यार्थियों, स्काउट-गाइड, एनसीसी कैडेट्स, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों, वरिष्ठ नागरिकों, युवाओं, महिलाओं, शहरवासियों और ग्रामीणों ने भी बड़ी संख्या में पौधे लगाए। महाअभियान के दौरान मेडिकल कॉलेज परिसर में फलदार सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने मेडिकल कॉलेज परिसर में आयोजित वृक्षारोपण महाअभियान में पौधारोपण करते हुए कहा कि कवर्धा में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज केवल एक भवन नहीं, बल्कि जिले की आने वाली पीढ़ियों की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने कहा कि यह ऐसा ऐतिहासिक कार्य होगा, जिसे लोग आने वाले सौ वर्षों तक शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाए रखेगा।

आज उसी संकल्प को साकार करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज भवन का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और आज परिसर की चारों दिशाओं में व्यापक स्तर पर पौधरोपण किया जा रहा है। यह प्रदेश के सबसे तेज गति से बन रहे मेडिकल कॉलेजों में से एक है। उन्होंने अधिकारियों से निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के लिए सतत प्रयास करने कहा।

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि इसी शैक्षणिक सत्र से मेडिकल कॉलेज का संचालन 50 सीटों के साथ प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे विद्यार्थियों को चिकित्सा शिक्षा का अवसर मिलेगा तथा स्वास्थ्य सेवाएं भी मजबूत होंगी। उन्होंने यह भी कहा कि कवर्धा के सभी चिकित्सक मेडिकल कॉलेज के सफल संचालन और विकास के लिए सहयोग देने को तत्पर हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद उन्मूलन की दिशा में प्रभावी कार्य किया गया, उसी प्रकार समयबद्ध लक्ष्य निर्धारित कर मेडिकल कॉलेज भवन का निर्माण भी वर्ष 2027 जुलाई तक पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि कार्य तय समय-सीमा और संकल्प के साथ किया जाए तो लक्ष्य अवश्य प्राप्त होता है।

जिले को हराभरा बनाने के लिए कार्य कर रही हरीतिमा टीम की सराहना करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने में टीम का योगदान उल्लेखनीय है।

खास-खबर

किचन गार्डन से आत्मनिर्भर बन रहीं बिहान की दीदियां

सुकमा। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले की ग्रामीण महिलाएं आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ पोषण सुरक्षा की दिशा में भी उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं। प्रशासन द्वारा किचन गार्डन एवं बागवानी को प्रोत्साहित किए जाने का सकारात्मक परिणाम अब गांवों में दिखाई देने लगा है। विकासखंड सुकमा के ग्राम डोडपाल में बिहान से जुड़ी दंतेश्वरी स्व-सहायता समूह की महिलाएं अपने घरों में किचन गार्डन विकसित कर जैविक सब्जियों का उत्पादन कर रही हैं, जिससे परिवार की दैनिक जरूरतें पूरी होने के साथ घरेलू खर्च में भी कमी आ रही है। दंतेश्वरी स्व सहायता समूह की सदस्य गंगी, कोसी और पूजा ने बताया कि समूह से जुड़ने से पहले उन्हें किचन गार्डन की जानकारी नहीं थी, लेकिन बिहान के माध्यम से मिले प्रशिक्षण और जिला प्रशासन के सतत मार्गदर्शन से उन्होंने अपने घरों में सब्जी उत्पादन शुरू किया।

केंद्रीय विद्यालय सुकमा में प्रवेश का अंतिम मौका

सुकमा। अपने बच्चों को देश के सबसे प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में से एक में पढ़ाने की चाह रखने वाले अभिभावकों के लिए यह आखिरी और सुनहरा मौका है। केंद्रीय विद्यालय सुकमा में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न कक्षाओं में खाली सीटों को भरने के लिए योग्य विद्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस विशेष दाखिला अभियान के तहत प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर पर कक्षा 1ली, 5वीं, 8वीं, 9वीं, 10वीं के साथ-साथ कक्षा 11वीं (वाणिज्य संकाय) और 12वीं की रिक्त सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। प्रवेश पाने के इच्छुक विद्यार्थी और उनके अभिभावक 19 जुलाई 2026 से 23 जुलाई 2026 तक विद्यालय परिसर में सीधे पहुंचकर अपना ऑफलाइन पंजीकरण करवा सकते हैं। भौतिक रूप से उपस्थित होकर रजिस्ट्रेशन कराने का समय प्रतिदिन सुबह 9:00 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक निर्धारित किया गया है। प्रवेश प्रक्रिया केंद्रीय विद्यालय संगठन की प्रवेश-निर्देशिका 2026-27 के कड़े नियमों और उपबंधों के तहत ही पूरी की जाएगी।

रक्षाबंधन पर बिखरेगा हरियाली का संदेश

रायगढ़ में स्व-सहायता समूह की दीदियों ने तैयार कीं अनोखी बीज राखियां

भाई की कलाई पर प्यार, धरती मां को उपहार की थीम पर बिहान की अभिनव पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रक्षाबंधन पर केवल भाई-बहन का प्रेम ही नहीं, बल्कि प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण का संदेश भी दिया जा सकता है। पेड़ों को राखी बांधकर उन्हें अपनी रक्षा का वचन देना और मिट्टी से बने इको-फ्रेंडली पौधे वाली राखियों का इस्तेमाल पर्यावरण को हरा-भरा रखने में मदद करता है।

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में स्व-सहायता समूहों की दीदियां इस बार रक्षाबंधन के पर्व को प्रकृति संरक्षण से जोड़ने की एक अनूठी मिसाल पेश कर रही हैं। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में जिला पंचायत रायगढ़ और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के सहयोग से जिले भर में पर्यावरण-अनुकूल बीज राखियां तैयार की जा रही हैं। इन राखियों की सबसे विशेष बात यह है कि इन्हें धान, मक्का, भुट्टा, सेमी, करेला और बरबटी जैसे विभिन्न देसी बीजों से बेहद आकर्षक ढंग से बनाया जा रहा है। यदि त्योहार के बाद यह राखी मिट्टी में मिल जाती है या बाहर फेंक दी जाती है, तो इसमें लगे बीज अंकुरित होकर पौधे का रूप ले लेंगे। इससे भाई-बहन के अटूट प्रेम के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

सातों विकासखंडों से चुनी जाएगी सर्वश्रेष्ठ बीज राखी

रायगढ़ जिले के सभी सातों विकासखंडों में इस रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कल यानी 20 जुलाई को जिले के सभी सात विकासखंडों से एक-एक सर्वश्रेष्ठ बीज राखी का चयन किया जाएगा। चयन का आधार राखी की आकर्षक डिज़ाइन, देसी बीजों का उपयोग और पर्यावरण संरक्षण का संदेश जैसी खूबियों को बनाया जाएगा।

जिले के शीर्ष अधिकारियों को राखी बांधेंगी विजेता दीदियां

प्रतियोगिता में चुनी जाने वाली सातों विकासखंडों की विजेता दीदियों को 27 जुलाई को एक विशेष गरिमामय समारोह में सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर ये दीदियां स्वयं कलेक्टर सहित जिले के शीर्ष अधिकारियों को अपने हाथों से बनाई हुई बीज राखी बांधेंगी।

बिहान की दीदियों द्वारा शुरू किया गया यह अभियान अब केवल एक प्रतियोगिता न रहकर प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने का एक बड़ा जनआंदोलन बनता जा रहा है।

गांव-गांव में दिख रहा उत्साह

जिले के सभी सातों विकासखंडों में इस अभियान को लेकर महिलाओं में भारी उत्साह है। धरमजयगढ़ के ग्राम दुलियामुड़ा-कोयलार में कृष्णा स्व-सहायता समूह की सक्रिय महिला कविता राठिया ने आकर्षक बीज राखियां तैयार कर मिसाल पेश की है। रायगढ़ के बैसपाली, जुनवानी, लोइंग, गोपालपुर, संबलपुरी, लैलूंगा, तमनार के लिबरा गांव (जननी समूह), घरघोड़ा के बड़ेगुमड़ा (गायत्री समूह) और पुसौर के पुटकापुरी क्लस्टर सहित जिले भर की कृषि सखियां और महिलाएं इस कार्य में जुटी हुई हैं।

मुख्यमंत्री की पहलः दिव्यांगजनों के लिए भरोसे का माध्यम बनी सीएम हेल्पलाइन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित सीएम हेल्पलाइन प्रदेशवासियों की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी समाधान का सशक्त माध्यम बनकर उभरी है। विशेष रूप से दिव्यांगजनों और जरूरतमंद नागरिकों के लिए यह व्यवस्था राहत, विश्वास और सुशासन का प्रतीक बन रही है। हेल्पलाइन के माध्यम से लंबे समय से लंबित मामलों का भी समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है।

जशपुर जिले के पत्थलगांव विकासखंड के ग्राम पंडरीपानी निवासी प्रमनाथ मिर्रे का मामला इसका एक प्रेरक उदाहरण है। दिव्यांग पेंशन प्राप्त करने के लिए लगातार प्रयास करने के बावजूद उनकी पेंशन स्वीकृत नहीं हो पा रही थी, जिससे उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।जब अन्य प्रयास सफल नहीं हुए, तब उनके पुत्र प्रताप मिर्रे ने सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत प्राप्त होते ही संबंधित विभाग ने प्रकरण को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक कार्रवाई शुरू की। सभी आवश्यक प्रक्रियाएं समयबद्ध रूप से पूरी की गईं और मात्र 12 दिनों के भीतर शिकायत का निराकरण कर प्रमनाथ मिर्रे की दिव्यांग पेंशन प्रारंभ कर दी गई।पेंशन शुरू होने के बाद प्रमनाथ मिर्रे और उनके परिवार ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तथा जिला प्रशासन के प्रति हार्दिक आभार जताया। उन्होंने कहा कि जिस कार्य के लिए वे लंबे समय से प्रयासरत थे, वह सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से कुछ ही दिनों में पूरा हो गया।

परिवार का कहना है कि सीएम हेल्पलाइन दिव्यांगों, वरिष्ठ नागरिकों और जरूरतमंद लोगों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं भरोसेमंद व्यवस्था बनकर सामने आई है। इससे आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए एक प्रभावी मंच मिला है, जहां शिकायतों का त्वरित और संवेदनशील तरीके से निराकरण किया जाता है।प्रमनाथ मिर्रे की यह सफलता की कहानी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन, जवाबदेही और जनसेवा के प्रति शासन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंच रहा है।

शाला त्यागी बालिकाओं को बैग, कॉपी एवं पेन का वितरण कर किया गया प्रोत्साहित

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। महिला एवं बाल विकास विभाग महासमुंद के अंतर्गत संचालित महिला सशक्तिकरण केंद्र महासमुंद द्वारा शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लखनपुर में शाला त्यागी बालिकाओं को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने एवं उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बैग, कॉपी एवं पेन का वितरण किया गया।

कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को शिक्षा के महत्व, नियमित विद्यालय आने तथा अपने उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए निरंतर अध्ययन करने हेतु प्रेरित किया गया। महिला सशक्तिकरण केंद्र की टीम ने कहा कि प्रत्येक बालिका को शिक्षा का अधिकार है और शिक्षा ही उनके आत्मनिर्भर एवं सशक्त जीवन की आधारशिला है। इस अवसर पर उपस्थित छात्राओं ने शैक्षणिक सामग्री प्राप्त कर प्रसन्नता व्यक्त की तथा अपनी पढ़ाई नियमित रूप से जारी रखने का संकल्प लिया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बताया गया कि शाला त्यागी बालिकाओं को पुनः शिक्षा से जोड़ने के लिए विभाग लगातार जागरूकता एवं सहयोगात्मक गतिविधियाँ संचालित कर रहा है।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण, महिला सशक्तिकरण केंद्र की टीम तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ग्राम प्रमुख सरपंच एवं स्कूल समिति के अध्यक्ष सदस्य एवं छात्राएँ उपस्थित रहीं।

पत्र सूचना कार्यालय, रायपुर का मीडिया दल गुजरात के अध्ययन दौरे पर रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पत्र सूचना कार्यालय, रायपुर द्वारा आयोजित पाँच दिवसीय मीडिया अध्ययन दौरे के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल एवं सोशल मीडिया से जुड़े 12 पत्रकारों तथा पत्र सूचना कार्यालय के दो अधिकारियों का दल रविवार शाम रायपुर से अहमदाबाद के लिए रवाना हुआ।

अध्ययन दौरा 20 से 24 जुलाई तक आयोजित किया जाएगा।पत्रकारों का यह अध्ययन दौरा उन्हें देश की प्रमुख विकास परियोजनाओं, औद्योगिक प्रतिष्ठानों, आधुनिक तकनीकी संस्थानों तथा राष्ट्रीय महत्व के स्थलों से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। इससे मीडिया प्रतिनिधियों को विकासोन्मुखी विषयों की गहन समझ विकसित करने तथा जनहित से जुड़े मुद्दों पर तथ्यपरक और संतुलित रिपोर्टिंग करने में सहायता मिलेगी।दौरे के दौरान मीडिया दल अहमदाबाद स्थित पत्र सूचना कार्यालय का भ्रमण करेगा। साथ ही महात्मा गांधी के प्रथम सत्याग्रह आश्रम कोचरब आश्रम, देश की महत्वाकांक्षी मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (बुलेट ट्रेन) परियोजना तथा साबरमती मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब का अवलोकन कर आधुनिक परिवहन अवसंरचना और उससे जुड़े विकास कार्यों की जानकारी प्राप्त करेगा।दल लोथल में सिंधु घाटी सभ्यता की ऐतिहासिक विरासत तथा विकसित किए जा रहे राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर का अवलोकन करेगा। इसके अलावा माइक्रोन सेमीकंडक्टर संयंत्र में भारत के उभरते सेमीकंडक्टर विनिर्माण क्षेत्र एवं अत्याधुनिक तकनीक से परिचित होगा।अध्ययन दौरे के दौरान आणंद स्थित अमूल डेयरी के सफल सहकारी मॉडल तथा इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी की आधुनिक ऊर्जा एवं शोधन प्रक्रियाओं का भी अध्ययन किया जाएगा। मीडिया प्रतिनिधि विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी और सरदार सरोवर बाँध का भ्रमण कर जल संसाधन प्रबंधन, सिंचाई, ऊर्जा उत्पादन और पर्यटन विकास के विभिन्न आयामों की जानकारी भी प्राप्त करेंगे।दौरे के अंतिम चरण में दल राष्ट्रीय फॉरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय में फॉरेंसिक विज्ञान, साइबर सुरक्षा एवं अपराध अनुसंधान के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों से अवगत होगा।

हिंसा का रास्ता छोड़ आत्मनिर्भरता की राह पर बढ़े युवा

15 दिवसीय कौशल प्रशिक्षण से आत्मसमर्पित युवाओं को मिला आजीविका का नया आधार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कभी हाथों में हथियार उठाने वाले 25 आत्मसमर्पित युवाओं ने अब खेती, पशुपालन और कृषि आधारित स्वरोजगार को अपने भविष्य का आधार बनाने का संकल्प लिया है। सुकमा जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में कृषि विज्ञान केंद्र सुकमा और कृषि विभाग द्वारा आयोजित 15 दिवसीय विशेष कौशल विकास प्रशिक्षण ने इन युवाओं को आत्मनिर्भरता की नई राह दिखाई है।

22 जून से 14 जुलाई 2026 तक आयोजित इस प्रशिक्षण में युवाओं को प्राकृतिक खेती, आधुनिक कृषि तकनीकों और कृषि आधारित व्यवसायों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य आत्मसमर्पित युवाओं को स्थायी आजीविका से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और उन्हें समाज की मुख्यधारा में सम्मान के साथ आगे बढ़ने का अवसर देना था।

प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने युवाओं को बीजामृत, जीवामृत, घनजीवामृत, नीमास्त्र, हांडी दवा, श्री-जी दवा और मछली टॉनिक तैयार करने की जानकारी दी। इसके साथ ही नाडेप खाद, वर्मी कम्पोस्ट, हरी खाद और प्राकृतिक खेती की विभिन्न तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। युवाओं ने फलदार पौधों का रोपण, नीलहरित काई उत्पादन, कृषि यंत्रों का उपयोग, सब्जी नर्सरी तैयार करना, धान की कतारबद्ध बुवाई और गर्मी में गहरी जुताई जैसी तकनीकें भी सीखीं।

प्रशिक्षण में युवाओं को बकरी पालन, मुर्गी पालन, ऑयस्टर मशरूम उत्पादन और मत्स्य पालन जैसे कृषि आधारित व्यवसायों की जानकारी दी गई। इन गतिविधियों से युवा अपनी रुचि और संसाधनों के अनुसार स्वरोजगार शुरू कर सकते हैं।

प्रशिक्षणार्थियों को दंतेवाड़ा जिले का अध्ययन भ्रमण भी कराया गया। मैलावाड़ा में उन्होंने धान की एसआरआई पद्धति और भूमगादी में प्राकृतिक खेती की उन्नत तकनीकों को प्रत्यक्ष रूप से देखा। इससे प्रशिक्षणार्थियों को सीखी गई तकनीकों को खेतों में लागू करने का व्यावहारिक अनुभव मिला।

अब खेती बनेगी नई पहचान का आधार

प्रशिक्षण के समापन अवसर पर उप संचालक कृषि पी.आर. बघेल, सहायक संचालक कृषि सुधीर कुजूर और कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख एच.एस. तोमर सहित वैज्ञानिकों ने प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खेती, पशुपालन और कृषि आधारित व्यवसाय ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से आत्मसमर्पित युवा अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के साथ-साथ समाज की मुख्यधारा में सम्मान के साथ आगे बढ़ सकते हैं।

प्रशिक्षणार्थियों ने कहा कि उन्हें खेती और स्वरोजगार की नई तकनीकों की जानकारी मिली है। अब वे सीखे गए कौशल का उपयोग कर अपने गांव में आजीविका के साधन विकसित करेंगे। उन्होंने आत्मनिर्भर बनने और सम्मानजनक जीवन जीने का संकल्प लिया। आत्मसमर्पित युवाओं के जीवन में बदलाव की एक नई शुरुआत है।

नेशनल लोक अदालत में 44 प्रकरणों का निराकरण

अम्बिकापुर । राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश ध् अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शक्ति सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में 18 जुलाई 2026 को धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम 1881 (चेक अनादरण प्रकरण) से संबंधित मामलों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निराकरण के उद्देश्य से प्रथम बार विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। विशेष लोक अदालत का शुभारंभ छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मुख्य संरक्षक द्वारा वर्चुअल माध्यम से किया गया। धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम के प्रकरणों के आपसी राजीनामा के माध्यम से निराकरण हेतु विशेष खण्डपीठों का गठन किया गया।

साइबर फ्रॉड के लिए बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले 09 म्यूल खाताधारक व एजेंट गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। साइबर ठगी की अवैध राशि के लेनदेन में प्रयुक्त म्यूल बैंक खातों के विरुद्ध विशेष अभियान के तहत 09 आरोपियों को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्यवाही की गई। आरोपी कमीशन के लालच में बैंक खाते, पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक एवं सिम कार्ड साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराकर ठगी की राशि के अंतरण में सहयोग कर रहे थे। तकनीकी साक्ष्य, बैंक खातों के विश्लेषण एवं विवेचना के आधार पर साइबर ठगी के नेटवर्क का खुलासा करते हुए थाना पुरानी भिलाई पुलिस एवं एसीसीयू द्वारा संयुक्त कार्यवाही की गई। आरोपियों के खिलाफ पुरानी भिलाई पुलिस ने धारा 318(2), 318(3), 318(4) के तहत कार्रवाई की है।

पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार साइबर अपराध एवं म्यूल बैंक खातों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना पुरानी भिलाई पुलिस एवं एसीसीयू द्वारा संयुक्त रूप से प्रभावी कार्रवाई की गई। विवेचना के दौरान यह तथ्य सामने आया कि आरोपीगण अपने स्वयं के तथा अन्य व्यक्तियों के बैंक खातों का उपयोग साइबर ठगी से प्राप्त अवैध धनराशि के लेनदेन एवं अंतरण के लिए कर रहे थे।

जांच में यह भी पाया गया कि आरोपी कमीशन प्राप्त करने के उद्देश्य से आम नागरिकों से उनके बैंक खाते, पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक एवं सिम कार्ड प्राप्त कर साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराते थे। इन खातों का उपयोग ठगी की राशि को विभिन्न बैंक खातों के माध्यम से स्थानांतरित कर छिपाने के लिए किया जाता था। विवेचना एवं तकनीकी विश्लेषण से ज्ञात हुआ कि संबंधित खाताधारकों ने 2,000 से 10,000 तक के कमीशन के बदले अपने बैंक खाते एवं बैंकिंग दस्तावेज अन्य व्यक्तियों को उपलब्ध कराए थे। इन खातों में साइबर धोखाधड़ी से संबंधित लाखों रुपये के संदिग्ध लेनदेन पाए गए।

प्राप्त तकनीकी साक्ष्यों, बैंक खातों के विश्लेषण एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर रविवार को कुल 09 आरोपियों को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्यवाही की गई। आरोपी कमीशन के लालच में स्वयं एवं अन्य व्यक्तियों के बैंक खाते, पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक तथा सिम कार्ड साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराते थे। साइबर अपराधी इन खातों का उपयोग ऑनलाइन ठगी से प्राप्त अवैध धनराशि के अंतरण, निकासी एवं स्रोत छिपाने के लिए करते थे। दुर्ग पुलिस ने स्पष्ट किया कि बैंक खाता किराए पर देना अथवा किसी अन्य को उपयोग हेतु उपलब्ध कराना भी गंभीर अपराध है तथा संबंधित खाताधारक वैधानिक कार्यवाही के दायरे में आते हैं।

गिरफ्तार आरोपी

1.) लक्की खुटेल, उम्र 22 वर्ष, ग्राम फुंडा, थाना बोरी।
2.)भारत गिरी, उम्र 25 वर्ष, गौतम नगर, सुपेला।
3.)भोज ठाकुर, उम्र 24 वर्ष, खुर्सीडीह, चौकी नगपुरा, थाना पुलगांव।
4.)चोमन साहू, उम्र 27 वर्ष, खुर्सीडीह, चौकी नगपुरा, थाना पुलगांव।
5.)कमलेश देशलहरे, उम्र 24 वर्ष, ग्राम फुंडा, थाना बोरी।
6.)रमाकांत साहू, उम्र 28 वर्ष, ग्राम मचान्दुर, थाना उतई।
7.)आकाश भट्ट, उम्र 22 वर्ष, लक्ष्मी नारायण चौक, अहिवारा, थाना नंदनी नगर।
8.)संजय निषाद, उम्र 30 वर्ष, ग्राम दानिया, थाना बोरी (एजेंट)।
9.)मनोज कुमार साहू, उम्र 30 वर्ष, ग्राम कुर्सीडीही, चौकी नगपुरा, थाना पुलगांव (एजेंट)।

खास खबर

आकाशीय बिजली गिरने से बड़ा हादसा, दो बच्चों की मौत दो सगे भाई घायल

अंबिकापुर। सरगुजा जिले में आकाशीय बिजली गिरने से बड़ा हादसा हो गया। लुंड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम नागम में रविवार को हल्की बारिश के दौरान गाज गिरने से चार बच्चे इसकी चपेट में आ गए। हादसे में दो बच्चों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो सगे भाई झुलस गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, घटना उस समय हुई जब क्षेत्र में हल्की बारिश हो रही थी। अचानक आकाशीय बिजली गिरने से चारों बच्चे गंभीर रूप से प्रभावित हुए। लोगों ने तत्काल घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने दो बच्चों को मृत घोषित कर दिया। वहीं झुलसे दोनों सगे भाइयों का उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

धमतरी पुलिस की अवैध शराब पर कार्रवाई, दो आरोपी हुए गिरफ्तार

धमतरी। जिले में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए महुआ एवं देशी शराब जब्त की है। दोनों मामलों में आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई है। थाना मगरलोड पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम मड़ेली में अवैध महुआ शराब की बिक्री की जा रही है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दयावती कमार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से 4.05 लीटर कच्ची महुआ शराब, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 900 रुपये, तथा 350 रुपये की बिक्री राशि सहित कुल 1,250 रुपये मूल्य की सामग्री जब्त की। आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) के तहत मामला दर्ज किया गया।

पुरानीरंजिश में फावड़े से जानलेवा हमला, आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। जिले के नवागढ़ थाना क्षेत्र में ग्राम किरीत निवासी राजन पात्रे ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 14 जुलाई को वह सचिव के साथ तालाब ठेका संबंधी निविदा सूचना जारी कराने गया था। इस दौरान गांव का संतोष साहू वहां मिला। शिकायत के अनुसार, सरकारी जमीन पर कथित अतिक्रमण हटाने के लिए पंचायत द्वारा आरोपी को पहले तीन बार नोटिस जारी किया जा चुका था। इसी बात को लेकर संतोष साहू ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और अपने पास रखे फावड़े से राजन पात्रे के सिर पर हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल राजन को उसके साथियों ने तत्काल इलाज के लिए राछाभाठा अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी निवासी ग्राम किरीत को गिरफ्तार कर लिया।

ऑटो में बैठते ही उड़ाए 74 हजारः ड्राइवर समेत 2 गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग में ऑटो में बैठने वाले यात्रियों को निशाना बनाकर चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा हुआ है। पुरानी भिलाई पुलिस ने एक ऑटो ड्राइवर और उसके साथी को गिरफ्तार किया है। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने बैंक में पैसे जमा कराने जा रहे एक यात्री को अपने जाल में फंसाकर उसकी जेब से 74 हजार रुपए निकाल लिए।

वारदात को अंजाम देने के लिए आरोपियों ने पहले यात्री की सीट कई बार बदलवाई और फिर ऑटो खराब होने का बहाना बनाकर उसे बीच रास्ते में उतार दिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 31 वर्षीय बॉबी गुरजीत सिंह और 20 वर्षीय धीरज वर्मा निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी (बॉम्बे आवास) जामुल के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी बॉबी गुरजीत सिंह के खिलाफ पहले भी सुपेला

थाना क्षेत्र में मारपीट और चोरी के मामले दर्ज हैं। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल ऑटो भी जब्त कर लिया है।

भिलाई निवासी 32 वर्षीय अरविंद कुमार 15 जुलाई को अपने कार्यालय से केनरा बैंक में 74 हजार रुपए जमा कराने निकले थे। उन्होंने जीई रोड से एक नीले-सफेद रंग के ऑटो में सफर शुरू किया। ऑटो में पहले से दो युवक बैठे हुए थे। रास्ते में ऑटो चालक ने पहले अरविंद को पीछे बैठने के लिए कहा।

कुछ दूर चलने के बाद उन्हें आगे बैठा दिया। इस दौरान ऑटो में बैठा युवक लगातार उनकी गतिविधियों पर नजर रखते रहा। पुलिस का कहना है कि इसी दौरान आरोपियों ने मौका देखकर उनकी जेब से कैश निकाल लिया।

इसके बाद चालक ने ऑटो खराब होने का बहाना बनाया और चरोदा के ज्योति कटिंग के पास अरविंद को उतार दिया। जब वह नीचे उतरे और अपनी जेब देखी तो 74 हजार रुपए गायब थे। इसके बाद उन्होंने पुरानी भिलाई थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच के दौरान संदेह के आधार पर ऑटो क्रमांक सीजी 07 डीबी 6016 के चालक और उसके साथी को हिरासत में लिया गया। पहचान परेड में पीड़ित ने दोनों की पहचान कर ली। पूछताछ में आरोपियों ने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। इसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

रायपुर में चोरी, मारपीट, अवैध हथियार, गांजा और शराब के मामलों में कई एफआईआर दर्ज

रायपुर। राजधानी रायपुर में 19 से 20 जुलाई के बीच विभिन्न थाना क्षेत्रों में चोरी, मारपीट, सड़क हादसे, अवैध हथियार, मादक पदार्थ और आबकारी अधिनियम के तहत कई मामले दर्ज किए गए हैं। तेलीबांधा थाना क्षेत्र के सूरज नगर, लभांडी से प्रीतम यादव की खड़ी मोटरसाइकिल अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। करीब 30 हजार रुपये की चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उरला थाना क्षेत्र के शांतिनगर बीरगांव में आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। नेहा दुबे की शिकायत पर मुकेश यादव एवं अन्य के खिलाफ तथा मुकेश यादव की शिकायत पर नेहा दुबे एवं अन्य के खिलाफ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज किया गया है।

आजाद चौक थाना क्षेत्र में साइकिल वापस मांगने को लेकर हुए विवाद में लक्ष्मीनारायण यादव के साथ मारपीट कर घायल करने का मामला दर्ज हुआ है। वहीं राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में लालपुर ब्रिज के नीचे कार का शीशा पत्थर मारकर तोड़ने, मारपीट और धमकी देने के आरोप में राम कोलरिया एवं अन्य के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है। डीडी नगर थाना क्षेत्र में स्कूटी टकराने के बाद हुए विवाद में भी युवक के साथ मारपीट का मामला दर्ज किया गया है।

सिविल लाइन थाना क्षेत्र में विधानसभा रोड स्थित माता गैरेज के सामने हुए सड़क हादसे में घायल सुंदरलाल माहेश्वरी की उपचार के दौरान मौत हो गई। मर्ग जांच के बाद अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाकर मृत्यु कारित करने का अपराध दर्ज किया गया है।

खम्हारडीह थाना क्षेत्र के अवंति विहार स्थित एक मकान में अज्ञात चोर घर में घुसकर 18,500 रुपये कीमत का सैमसंग मोबाइल चोरी कर ले गया। वहीं खमतराई थाना क्षेत्र में शराब के नशे में बेटे द्वारा अपनी मां के साथ गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी और बेलन से हमला कर घायल करने का मामला दर्ज किया गया है।

हाथ में तलवार लेकर दहशत फैलाने वाला युवक गिरफ्तार, लगातार तीसरी बड़ी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा पुलिस के सजग कोरबा, सतर्क कोरबा अभियान के तहत हथियार लेकर सार्वजनिक स्थानों पर पर दहशत फैलाने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में मानिकपुर चैकी पुलिस ने तलवार लहराकर लोगों को डराने-धमकाने वाले एक युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 19 जुलाई 2026 को मानिकपुर चैकी पुलिस को सूचना मिली कि प्रेम कुमार साहू (19 वर्ष) निवासी मुड़ापार मुस्लिम बस्ती अपने घर के सामने हाथ में धारदार तलवार लेकर लोगों को धमका रहा है और क्षेत्र में भय का माहौल बना रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया।

तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से एक धारदार लोहे की तलवार बरामद हुई, जिसे पुलिस ने विधिवत जब्त कर लिया। आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 641/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296, 351(3) एवं आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत मामला दर्ज किया गया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जिला जेल कोरबा भेज दिया गया। कोरबा पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी (भा.पु.से.) के निर्देशन में चलाए जा रहे सजग कोरबा, सतर्क कोरबा अभियान के तहत पिछले चार से पांच दिनों में आर्म्स एक्ट के तहत यह लगातार तीसरी बड़ी कार्रवाई है। इससे पहले भी कोतवाली पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में धारदार हथियार लेकर सार्वजनिक स्थानों पर दहशत फैलाने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

कोरबा पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक स्थानों पर हथियार लेकर घूमने, दादागिरी करने, आम लोगों में भय का माहौल बनाने और कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

खुद को ईडी अधिकारी बताकर ठगे 6.82 लाख

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में खुद को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का अधिकारी बताकर कैंटीन का ठेका और सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर एक परिवार से सिम्स अस्पताल में कैंटीन का ठेका दिलाने और उसके बेटे सहित एक अन्य युवक को ईडी में नौकरी लगवाने का झांसा देकर 6.82 लाख रुपए ऐंठ लिए।

शिकायत के बाद कोतवाली पुलिस ने पति-पत्नी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक रेलवे महाराष्ट्र मंडल, टिकरापारा निवासी देवेन्द्र ठक्कर की मुलाकात सिम्स अस्पताल में राहुल

मिश्रा और उसकी पत्नी पदमा जनार्दन, निवासी ठठारी (जिला जांजगीर-चांपा) से हुई थी।

बातचीत के दौरान राहुल ने खुद को ईडी का प्रभावशाली अधिकारी बताते हुए भरोसा दिलाया कि वह सिम्स अस्पताल, कोनी में कैंटीन का ठेका दिला सकता है। साथ ही उसने पीड़ित के बेटे और उसके दोस्त को ईडी में नौकरी लगवाने का भी आश्वासन दिया।

आरोपी पति-पत्नी ने किश्तों में लिए पैसे

आरोप है कि राहुल और उसकी पत्नी ने इस काम के एवज में अलग-अलग किस्तों में बैंक खातों और कैश के माध्यम से कुल 6.82 लाख रुपए ले लिए। काफी समय बीतने के बाद भी न तो कैंटीन का ठेका मिला और न ही नौकरी लग सकी। संदेह होने पर देवेन्द्र ठक्कर ने आरोपियों से अपने पैसे वापस मांगे।

पीड़ित का कहना है कि, दबाव बनाने पर आरोपियों ने कुछ राशि लौटा दी, लेकिन 1.62 लाख रुपए अब तक वापस नहीं किए। खुद के साथ धोखाधड़ी होने का अहसास होने पर उन्होंने शनिवार को कोतवाली थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी राहुल मिश्रा और उसकी पत्नी पदमा जनार्दन के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस बैंक लेनदेन और अन्य दस्तावेजों की जांच कर आरोपियों की भूमिका की पड़ताल कर रही है।

सर्पदंश मुआवजा घोटाला, महिला डॉक्टर के बाद 3 क्लर्क अरेस्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में सर्पदंश से मौत का फर्जी रिपोर्ट बनाकर 17 करोड़ से अधिक का मुआवजा घोटाला किया गया। इस मामले की जांच फर्जी पीएम रिपोर्ट बनाने वाले डॉक्टर के बाद तहसील ऑफिस तक पहुंच गई। पुलिस ने सिम्स की तत्कालीन महिला डॉक्टर के बाद अब एसडीएम और तहसीलदार के 3 बाबू को गिरफ्तार किया है।

आरोप है कि इन्होंने सर्पदंश का फर्जी केस बनाकर मुआवजा राशि का बंदरबाट किया है। दरअसल, विधानसभा में बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला ने ध्यानाकर्षण के जरिए एक बड़ा मुद्दा उठाया था। अब बिलासपुर जिले में सर्पदंश के फर्जी आंकड़े देकर हुए 17.24 करोड़ रुपए के मुआवजा घोटाले की जांच चल रही है।

मामले में अब तक 14 एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं। एसएसपी रजनेश सिंह ने इस फर्जी मुआवजा कांड को गंभीरता से लिया है। वो खुद लगातार सभी मामलों की जांच की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। यही वजह है कि

पुलिस फर्जी रिपोर्ट बनाने वाले एक-एक अधिकारी-कर्मचारी को चिन्हित कर गिरफ्तार कर रही है। मामला सरकंडा थाना क्षेत्र का है।

दरअसल, जशपुर जिले में पिछले 3 साल में केवल 96 मौतें दर्ज हुईं। जबकि अकेले बिलासपुर में 431 मौतें बताकर 17 करोड़ 24 लाख रुपए का मुआवजा दिया गया। शासन के नियमों के अनुसार, सांप काटने पर 4 लाख रुपए मुआवजे का प्रावधान है। यही वजह है कि सरकारी मुआवजा हासिल करने लोगों ने अपने परिजनों की सामान्य मौत को सर्पदंश बताकर सरकार से लाखों रुपए मुआवजा ले लिए।

इसके लिए फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए और मौत का कारण बदलकर मुआवजे के लिए आवेदन जमा किया गया। जांच में यह भी पता चला है कि कुछ मामलों में बिना परिजनों की सहमति के आरोपी मुआवजा लेकर बंदरबांट कर चुके हैं।

महिला डॉक्टर के बाद तहसील ऑफिस के 3 बाबू गिरफ्तार

इस केस में एक दिन पहले तोरवा पुलिस ने सिम्स में पदस्थ रहीं तत्कालीन महिला डॉक्टर प्रियंका सोनी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। आरोपी डॉक्टर पर सांप काटने से मौत की फर्जी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट तैयार कर सरकार को लाखों रुपए का चूना लगाने का आरोप है।

वहीं, रविवार को अवकाश के दिन सरकंडा पुलिस ने तहसील ऑफिस के तीन क्लर्क को गिरफ्तार किया है। इनमें एसडीएम ऑफिस के बाबू नरेंद्र कौशिक, गरीब राम बिंझवार और तहसीलदार का क्लर्क हरिशंकर राठौर शामिल हैं।

राजस्व विभाग के इन कर्मचारियों पर आरोप है कि इन्होंने फर्जी प्रकरण रजिस्टर्ड कर अपने आईडी से रिपोर्ट बनाया था, जिसके माध्यम से शासन से मुआवजा मिला। इनके अलावा पांच साल के भीतर अलग-अलग मामलों रिपोर्ट देने वाले दर्जन भर डॉक्टरों से भी पुलिस की पूछताछ जारी है।

पुलिस ने इन मामलों में अब तक तहसील कार्यालय में निगम से अटैच ड्राइवर गोविंद विश्वकर्मा, अधिवक्ता खांडेकर, बिल्हा रंजीत चतुर्वेदी समेत दर्जन भर लोगों को गिरफ्तार जेल भेज चुकी है। पुलिस की जांच में तहसीलदार के ड्राइवर गोविंद विश्वकर्मा को इस कांड का सरगना बताया जा रहा है।

पुलिस के मुताबिक इस घोटाले के पीछे एक पूरा सिंडिकेट काम कर रहा था। तोरवा पुलिस इस मामले में मृतक निसार खान की पत्नी सफीना बानो, लता सूर्यवंशी के पति संतोष सूर्यवंशी और एक वकील रंजीत कुमार चतुर्वेदी को पहले ही जेल भेज चुकी है।

गिरोह का मुख्य मास्टरमाइंड वकील श्रवण वस्त्रकार फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश जारी है। जिले में ऐसे 15 संदिग्ध मामले सामने आए हैं, जिसमें सिम्स के 4 से 5 अन्य डॉक्टर भी पुलिस की रडार पर हैं।

तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार कर्मचारी को कुचला, मौके पर मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले में तेज रफ्तार वाहनों का कहर लगातार जारी है। शक्रवार को कोतवाली थाना क्षेत्र के राताखार बाईपास में एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग जुट गए।

जानकारी के अनुसार मृतक युवक सीएसईबी के डीएसपीएम प्लांट में कार्यरत था। वह ड्यूटी खत्म कर बाइक से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान राताखार बाईपास के पास तेज गति से आ रहे ट्रेलर ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने ट्रेलर चालक के संबंध में जानकारी जुटाते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि राताखार बाईपास क्षेत्र में भारी वाहनों की तेज रफ्तार के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। लोगों ने प्रशासन से इस मार्ग पर यातायात नियंत्रण और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है।

जंगल में पुटू बीनने गए दंपति पर हाथी ने किया हमला अस्पताल में भर्ती

अंबिकापुर। सरगुजा जिले के उदयपुर वन क्षेत्र में हाथी के हमले में एक दंपती घायल हो गए। घटना उदयपुर इलाके के भालूमाड़ा क्षेत्र की है, जहां पति-पत्नी जंगल में पुटू बीनने गए थे। बताया जा रहा है कि जंगल में अचानक उनका सामना हाथी से हो गया। हाथी ने पति पर हमला कर उसे पटक दिया, जबकि जान बचाकर भागने के दौरान पत्नी भी घायल हो गई। दोनों को गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। दंपती का अस्पताल में इलाज जारी है। वन विभाग ने क्षेत्र के ग्रामीणों से जंगल में जाते समय सतर्क रहने और हाथियों की मौजूदगी वाले इलाकों से दूरी बनाए रखने की अपील की है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950